राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार, 29 जून-2021 वर्ष-4, अंक -156 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

भाषाओं के संरक्षण के लिए उपराष्ट्रपति ने जताई जनांदोलन की जरूरत

नई दिल्ली।

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने भाषाओं के संरक्षण के लिए जनांदोलन की जरूरत बताई है। उन्होंने कहा है कि हमारी भाषा परंपराओं के लाभों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए, आज सरकार के प्रयासों के साथ ही, अपनी भाषाओं के संरक्षण के लिए एक जन आंदोलन की आवश्यकता है। कई पीढ़ियों और भौगोलिक क्षेत्रों के निवासियों को आपस में जोड़े रखने में भाषा की शक्ति पर प्रकाश डालते हुए, उपराष्ट्रपति ने हमारी भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं को संरक्षित, समृद्ध और प्रचारित करने के लिए एक ठोस प्रयास करने का आह्वान किया। छठे वार्षिक राष्ट्रेतर तेलुगू समाख्या सम्मेलन में बोलते हुए, नायडू ने सुझाव दिया कि तेलुगु भाषा के लिए और हमारी स्थानीय परंपराओं के पुनरोद्धार के लिए तेलुगू लोगों को एक साथ आना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने सलाह दी कि यह प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह अन्य भाषाओं और संस्कृतियों को कम किए बिना अपनी मातृभाषा को संरक्षित और बढ़ावा दें। नायडू ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 की परिकल्पना के अनुसार प्राथमिक शिक्षा को अपनी मातृभाषा में होने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और भारत के मुख्य न्यायाधीश सहित देश के सर्वोच्च संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों की प्राथमिक शिक्षा उनकी मातृभाषा में हुई थी। उपराष्ट्रपति ने कहा, लोगों को यह गलत धारणा नहीं बनानी चाहिए कि यदि कोई अपनी मातृभाषा में पढ़ाई करता है तो वह सफल नहीं हो सकता और जीवन में आगे नहीं बढ़ सकता। इसका खंडन करने के लिए हमारे पास अतीत और वर्तमान के कई उदाहरण हैं।

बिना नाम लिए चीन पर राजनाथ का हमला, कहा- भारत को किसी का आंख दिखाना मंजूर नहीं

नेशनल डेस्क।

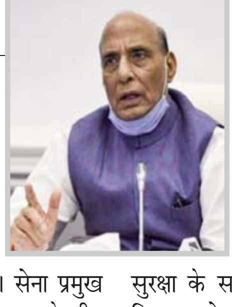

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज चीन का नाम लिए बिना कहा कि भारत शांति का पक्षधर है और कभी किसी पर आक्रमण नहीं करता लेकिन उसे किसी का आंख दिखाना मंजूर नहीं है और उसकी सेना हर तरह की चुनौती का मुंहतोड़ जवाब देने की क्षमता रखती है। सेना प्रमुख मनोज मुकुंद नरवणे के साथ लेह और लद्दाख के तीन दिन के दौरे पर गये सिंह ने सोमवार को लद्दाख के कारू सैन्य स्टेशन में सेना की 14 वीं कोर के अधिकारियों और जवानों से बात की। बाद में उन्हें संबोधित करते हुए उन्होंने पिछले वर्ष चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में शहीद हुए देश के जांबाज सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा , '' मैं सबसे पहले उन सभी जवानों की स्मृतियों को नमन करता हूं जिन्होने जून 2020 में 'गलवान घाटी% में देश के लिए अपने प्राणो का बलिदान दिया। मै यह भी कहना चाहता हूँ कि यह देश उनके बलिदान को कभी नहीं भूलेगा%%। उन्होंने सेना द्वारा इस दौरान दिखाये गये शौर्य की सराहना की और कहा कि देश को उस पर गर्व है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत पड़ोसी देशों के साथ बातचीत के जरिये समस्याओं का समाधान निकालने की इच्छा रखता है लेकिन देश की सुरक्षा के साथ किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा , '' हम विश्वशांति के पुजारी हैं। हम शस्त्र भी धारण करते हैं तो शांति की स्थापना के लिए। भारत ने आज तक किसी भी देश पर न तो आक्रमण किया है न ही किसी भी देश की एक इंच ज़मीन पर हमने क़ब्ज़ा किया है। पड़ोसी देशों के साथ बातचीत के ज़रिए समाधान निकालने की कोशिश की जानी चाहिए। मंशा साफ़ होनी चाहिए। हम न तो किसी को आँख दिखाना चाहते हैं, न किसी का आंख दिखाना मंज़ूर है। हमारी सेना में हर चुनौती का मुंहतोड़ जवाब देने की क्षमता है।

मार्च 2022 तक बढ़ाई गई आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना

नई दिल्ली। कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण काफी समय तक देश की आर्थिक गतिविधियां ठप रही हैं और साथ ही रोजगार की स्थिति भी बिगड़ी हुई है। इस बीच केंद्र ने राहत के तौर पर आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना को 31 मार्च, 2022 तक बढ़ाने का फैसला किया है। यह योजना अब तक 30 जून, 2021 तक वैध थी। 22,810 करोड़ रुपये के स्वीकृत परिव्यय के साथ, इस योजना में 15,000 रुपये से कम मासिक वेतन पाने वाले नए कर्मचारियों को दो साल के लिए सब्सिडी मिलती है। सरकार भविष्य निधि (पीएफ) योगदान में नियोक्ता और कर्मचारियों दोनों के हिस्से को सब्सिडी देगी, जो कि 1,000 कर्मचारियों की ताकत वाले प्रतिष्ठान के लिए मजदूरी का 24 प्रतिशत है। 1,000 से अधिक कर्मचारियों वाली कंपनी के मामले में, सरकार केवल कर्मचारियों के हिस्से के लिए, वेतन का 12 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान करेगी। सरकार के अनुसार अब तक 79,577 प्रतिष्ठानों के 21.42 लाख हितग्राहियों (लाभार्थियों) को 902 करोड़ रुपये का लाभ दिया जा चुका है।

आईटी विवाद पर संसदीय समिति ने गूगल, फेसबुक को भेजा समन

नई दिल्ली।

सूचना प्रौद्योगिकी पर संसद की स्थायी समिति (आई एंड टी) ने फेसबुक इंडिया और गूगल इंडिया के प्रतिनिधियों को समन जारी करके 29 जून को समिति के सामने पेश होने को कहा है। समिति नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और उनकी रोकथाम पर कंपनियों के प्रतिनिधियों से सोशल ऑनलाइन समाचार मीडिया प्लेटफॉर्म के दुरुपयोग की रोकथाम पर उनके विचार जानेगी। मंगलवार को होने वाली ये बैठक शाम चार बजे होगी। संसद भवन एनेक्सी में समिति के सदस्यों, सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकारियों और फेसबुक और गूगल के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में यह बैठक होगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा सदस्य शशि थरूर समिति के अध्यक्ष हैं, जिसमें 31 सदस्य शामिल हैं जिसमें 21 लोकसभा से और 10 राज्यसभा के सदस्य हैं। बैठक के कार्यक्रम में उल्लेख किया गया है कि ये बैठक नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और डिजिटल स्पेस में महिला सुरक्षा पर विशेष जोर देने सहित सोशल ऑनलाइन समाचार मीडिया प्लेटफार्मों के दुरुपयोग की रोकथाम विषय पर फेसबुक इंडिया और गूगल इंडिया के प्रतिनिधियों के विचारों को सुनने के लिए है। 6 जुलाई को अपनी अगली बैठक में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रतिनिधि समिति के समक्ष विषय से संबंधित साक्ष्य प्रस्तुत करेंगे। समिति और फेसबुक, गूगल और ट्विटर सहित सोशल मीडिया साइटों के प्रतिनिधियों के बीच दो बैठकें हो चुकी हैं। हाल ही में एक समिति ने सोशल मीडिया और ऑनलाइन समाचारों के दुरुपयोग को रोकने के तरीके पर प्रतिनिधित्व देने के लिए ट्विटर को 18 जून को पेश होने के लिए बुलाया था। 20 जून को, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने स्पष्ट किया था कि भारत के नए आईटी नियम सोशल मीडिया के सामान्य उपयोगकताओं को सशक्त बनाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। साल 2018 में सरकार द्वारा नागरिक समाज और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद उन्हें अंतिम रूप दिया गया था।

हाईकोर्ट ने चार धाम यात्रा पर लगाई रोक, अगली सुनवाई सात जुलाई तय

नैनीताल।

चार धाम यात्रा मामले में सुनवाई करते हुए उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने कैबिनेट द्वारा एक जुलाई से सीमित संख्या में चार धाम यात्रा शुरू करने के फैसले पर रोक लगा दी है, अगली सुनवाई सात जुलाई को होगी। यहाँ बता दें 25 जून की कैबिनेट में तीरथ सरकार ने तीन जिलों के लिए सीमित चारधाम यात्रा शुरू करने फैसला लिया था। लेकिन आज हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की बेंच ने कोरोना संक्रमण के खतरे और लचर स्वास्थ्य तैयारियों के मद्देनजर सरकार के फैसले पर रोक लगा दी है

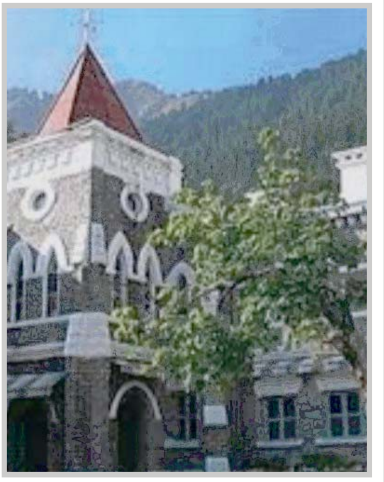

पाकिस्तानी आतंकी संगठन भारत में हमले को बना रहे हैं ड्रोन

नई दिल्ली ।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर हाल के सालों में ड्रोन गतिविधियों में इजाफा हुआ है। इनमें से अधिकतर ड्रोन्स का इस्तेमाल पाकिस्तानी आतंकी तंजीमों जैसे लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद की ओर से किया जा रहा है। रविवार को दो ड्रोन्स के जरिए जम्मू के एयरफोर्स स्टेशन पर हमला किया गया। शुरुआती जांच में इसका कनेक्शन से जुड़ा है। ऐसा ही एक ड्रोन पिछले साल जून में जम्मू के हीरानगर सेक्टर में सुरक्षाबलों ने मार गिराया था। जिस ड्रोन को सीमा सुरक्षाबल के जवानों ने निशाना बनाया वह एक खुले मैदान में जाकर गिरा। इसकी फॉरेंसिक पड़ताल दिल्ली आधारित ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से की गई। जांच में कहा गया कि यह एक स्थानीय स्तर पर असेंबल किया गया हेक्साकॉप्टर था। इसमें जिन पुर्जों का इस्तेमाल किया गया था वह आसानी से दुकानों में मिल जाते हैं। 24 किलो के ड्रोन का कंट्रोलर क्यूबब्लैक था, जिसका उत्पादन हॉन्ग-कॉन्ग में होता है। यह भी कहा गया था कि ड्रोन में कोई पूर्व निर्धारित मिशन सेट नहीं किया गया था, बल्कि ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम के जरिए इसे मैनुअली कंट्रोल किया गया था। बताया गया था कि ड्रोन ऑपरेटर ने डेटा निकालने के सभी मोड्स को डिसेबल कर दिया था। ने आगे कहा कि साइट ऑपरेशन से यह लगभग 10 किलोमीटर दूर से उड़ा था। यह करीब 35 मिनट तक हवा में रहा और यह अधिकतम 30 किलोमीटर की यात्रा में सक्षम था। विशेषज्ञों को इसमें कोई बाहरी हैकिंग या कस्टम फर्मवेयर नहीं मिला। पुर्जों पर लगाए गए लेबल के आधार पर पाया गया कि ड्रोन का निर्माण बैचेज में हो रहा है।

कोरोना की दूसरी लहर में ब्लैक फंगस का आतंक, देश में 40 हजार से ज्यादा केस मिले

नई दिल्ली।

हाल ही में कोरोना की दूसरी लहर ने काफी आतंक मचाया था। एक दिन में रिकॉर्ड मामले सामने आने के अलावा कई लोगों की जान तक चली गई। वहीं, लोग जब कोरोना से ठीक हुए तो उनके ऊपर ब्लैक फंगस का खतरा मंडराने लगा। कई लोगों की जान कोविड के बाद ब्लैक फंगस की वजह से चली गई। केंद्र सरकार ने जानकारी दी है कि कोरोना की दूसरी लहर में ब्लैक फंगस के 40 हजार से ज्यादा मामले सामने आए हैं। इससे पहले मिलने वाले ब्लैक फंगस के मामलों की तुलना में यह संख्या काफी अधिक है। सरकार के आंकड़ों के अनुसार, दूसरी लहर के ब्लैक फंगस के देश में कुल 40,845 मामले मिले हैं, जिसमें से 31,344 केस रहिनो सेरेब्रल नेचर के हैं। ब्लैक फंगस से मरने वालों की संख्या 3,129 हो गई है। 34,940 मरीजों को कोविड-19 था, जबकि 26,187 मरीजों को डायबिटीज था। इसके अलावा, 21,523 ऐसे मरीज भी मिले, जिन्होंने स्टेरॉइड्स का इस्तेमाल किया था। 13,083 मरीज 18-45 आयु वर्ग के थे। 17,464 लोगों की उम्र 45-60 साल के बीच में थी, जबकि 10,082 लोग बुजुर्ग थे और उनकी उम्र 60 से अधिक थी।

कोविड संकट से उबरने के लिए

6 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक राहत पैकेज लेकर आई सरकार

नई दिल्ली।

केंद्र ने कोरोना संकट से जूझ रहे देश को कुछ राहत प्रदान करने के लिए राज्य सरकारों के साथ-साथ माइक्रो फाइनेंस क्रेडिट यूजर्स के लिए आठ आर्थिक राहत उपायों की घोषणा की।

- केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 6,28,993 करोड़ रुपये के राहत उपायों की घोषणा की।
- योजनाओं में ईसीजीएलएस जैसे मौजूदा राहत उपायों में वृद्धि और राज्य सरकारों के लिए समर्थन शामिल है।
- इसके अलावा, सूक्ष्म वित्त ऋण यूजर्स के साथ-साथ पर्यटन उद्योग को ऋण प्रदान करने के लिए कुल चार नए उपायों की घोषणा की गई।
- इसके अलावा, सीतारमण ने चिकित्सा बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए 50,000 करोड़ रुपये के गारंटीकृत ऋण की घोषणा की।
- उन्होंने कहा कि ईसीएलजीएस योजना को 1.5 लाख करोड़ रुपये बढ़ाया जाएगा।

इसके अलावा, उन्होंने कोविड प्रभावित क्षेत्रों के लिए 1.1 लाख करोड़ रुपये की ऋण गारंटी योजना की घोषणा की।

- उन्होंने कहा कि पहले 5 लाख पर्यटक वीजा निःशुल्क जारी किए जाएंगे। वीजा जारी होने के बाद यह कदम उठाया जाएगा।
- इनके अलावा आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना को 31 मार्च, 2022 तक बढ़ा दिया गया है, जिसमें संगठन के आकार के आधार पर कर्मचारियों और नियोक्ताओं की सरकारी पीएफ देयता शामिल है।
- निर्यात के मुद्दे पर, वित्त मंत्री ने भारत से परियोजना निर्यात के लिए 33,000 करोड़ रुपये के राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाते (एनईआईए) को समर्थन देने की घोषणा की।
- इसी तरह व्यापारिक निर्यात के लिए 88,000 करोड़ रुपये के ईसीजीसी (एक्सपोर्ट क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया) को समर्थन दिया गया है।
- वहीं डिजिटल इंडिया योजना के लिए 19,041 करोड़ रुपये के अतिरिक्त कोष की घोषणा की गई है।
- इसके साथ ही बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग पीएलआई योजना का कार्यकाल बढ़ा दिया गया है।
- साथ ही केंद्र पीपीपी और परिसंपत्ति मुद्रीकरण के लिए एक नई कारगर नीति लेकर आएगा।

कोविड प्रभावित क्षेत्रों के लिए 1.1 लाख करोड़ रुपये की ऋण गारंटी योजना की घोषणा

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कोविड प्रभावित क्षेत्रों के लिए 1.1 लाख करोड़ रुपये की ऋण गारंटी योजना की घोषणा की। इस योजना में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 50,000 करोड़ रुपये का ऋण शामिल होगा, जिसका उद्देश्य चिकित्सा बुनियादी ढांचे को कम क्षेत्रों को लक्षित करना है। कोरोना महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुई अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकने के लिए केंद्र सरकार ने एक राहत के तौर पर इस पैकेज का ऐलान किया है। इस योजना में विस्तार के लिए गारंटी कवर और आठ महानगरों के अलावा अन्य शहरों में स्वास्थ्य और चिकित्सा बुनियादी ढांचे से संबंधित नई परियोजनाएं शामिल होंगी। आकांक्षी जिलों के लिए, नई परियोजनाओं और विस्तार दोनों के लिए गारंटी कवर 75 प्रतिशत होगा। नई घोषित योजना के तहत अधिकतम ऋण राशि 100 करोड़ रुपये होगी और गारंटी की अवधि तीन साल तक होगी। हेल्थ सेक्टर के लिए लोन पर 7.95 प्रतिशत सालाना से अधिक ब्याज नहीं होगा। सीतारमण ने यह भी कहा कि गारंटी नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रदान की जाएगी। इस योजना के तहत, स्वास्थ्य के अलावा अन्य क्षेत्रों के लिए 8.25 प्रतिशत प्रति वर्ष की ब्याज दर पर 60,000 करोड़ रुपये के ऋण की अनुमति होगी। गारंटी कवर के बिना सामान्य ब्याज दर 10 से 11 प्रतिशत है। सीतारमण ने कोरोना महामारी के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए पब्लिक हेल्थ के लिए बड़े पैकेज की घोषणा की है।

पब्लिक हेल्थ के लिए 23220 करोड़ रुपये का एलान किया

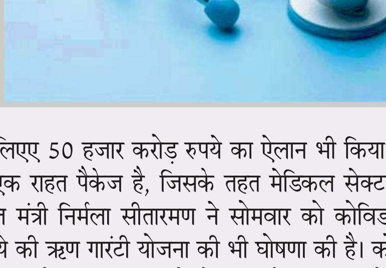

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए कई राहत पैकेज की घोषणा की। उन्होंने कोरोना महामारी के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए पब्लिक हेल्थ के लिए 23,220 करोड़ रुपयों के बड़े पैकेज की घोषणा की। केंद्र के इस कदम के साथ ही महामारी के समय में इमरजेंसी हेल्थ सर्विसेस को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही सीतारमण ने हेल्थकेयर सेक्टर के लिएए 50 हजार करोड़ रुपये का ऐलान भी किया। यह महामारी के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ा है एक राहत पैकेज है, जिसके तहत मेडिकल सेक्टर को लोन गारंटी दी जाएगी। इसके साथ ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कोविड-19 प्रभावित क्षेत्रों के लिए 1.1 लाख करोड़ रुपये की ऋण गारंटी योजना की भी घोषणा की है। कोरोना महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुई अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकने के लिए केंद्र सरकार ने एक राहत के तौर पर इस पैकेज का ऐलान किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी।

पर्यटन क्षेत्र के लिए वित्तीय मदद की घोषणा, पांच लाख पर्यटको को मुफ्त वीजा देगी सरकार

नयी दिल्ली, सरकार ने कोविड-19 महामारी से प्रभावित पर्यटन क्षेत्र को उबारने के लिए कई उपायों की घोषणा की है। इन उपायों के तहत सरकार ने भारत आने वाले पांच लाख पर्यटकों को मुफ्त वीजा देने का फैसला किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को इन उपायों की घोषणा करते हुए 11,000 पंजीकृत पर्यटक गाइड, यात्रा एवं पर्यटन क्षेत्र के अंशधारकों को वित्तीय समर्थन देने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए वीजा फिर शुरू होने के बाद पहले पांच लाख पर्यटकों को निःशुल्क वीजा जारी किया जाएगा। इससे सरकार पर 100 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। यह योजना 31 मार्च, 2022 या पांच लाख वीजा का लक्ष्य पूरा होने तक, जो भी पहले हो, जारी रहेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि इससे छोटी अवधि के लिए भारत आने वाले पर्यटक उत्साहित होंगे। सरकार ने अपनी देनदारियों को निपटाने या महामारी से प्रभावित कारोबार को फिर शुरू करने के लिए पर्यटन क्षेत्र के लोगों को कार्यशील पूंजी या व्यक्तिगत ऋण उपलब्ध कराने की भी घोषणा की। यात्रा और पर्यटन क्षेत्र के अंशधारको को 10 लाख रुपये तक कर्ज 100 प्रतिशत गारंटी के साथ उपलब्ध कराया जाएगा। पंजीकृत टूरिस्ट गाइड को एक लाख रुपये का कर्ज उपलब्ध कराया जाएगा। सीतारमण ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए 23,220 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके तहत लघु अवधि के लिए आपात स्तर की तैयारियां की जाएंगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

डेल्टा प्लस का खतरा

कोरोना वायरस के डेल्टा प्लस वेरिएंट के मामलों का बढ़ना जितना दुखद है, उतना ही चिंताजनक भी। सरकार और लोगों की चिंता बढ़ती जा रही है, तो एक तरह से अच्छा ही है। अगर इस वेरिएंट से संघर्ष के लिए पहले ही ज्यादा से ज्यादा तैयारी हो जाए और लोगों में भय की वजह से ही जागरूकता बढ़ जाए, तो इससे बेहतर कुछ नहीं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने उचित ही आठ राज्यों को चिट्ठी लिखकर तुरंत कंटेनमेंट उपायों को लागू करने के लिए कहा है। जहां भी मामले मिल रहे हैं, वहीं उन्हें क्वारंटीन और कंटेनमेंट जोन बनाकर रोकना होगा। डेल्टा प्लस का संक्रमण अगर शुरुआती दौर में ही रोक लिया जाए, तो यह सरकारों की एक बड़ी सफलता होगी। देश डेल्टा की मार से बड़ी मुश्किल से उबर रहा है, अतः सबकी भलाई इसी में है कि डेल्टा प्लस के खतरे को बड़े स्तर पर जाने से पहले ही रोका जाए। अभी तमिलनाडु, गुजरात, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, पंजाब, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा को कंटेनमेंट और कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग जैसे उपायों को अपनाने के लिए कहा गया है। इन राज्य सरकारों को अपने स्तर पर भी हर संभव उपाय करने चाहिए। विशेषज्ञ बार-बार चेता रहे हैं, किसी भी स्तर पर ढिलाई बहुत भारी पड़ सकती है। जिन इलाकों में मामले मिल रहे हैं, वहां के सामाजिक संगठनों को भी पूरी तरह से सचेत और सक्रिय कर देना चाहिए। बचाव के लिए जरूरी कड़ाई का काम ज्यादा से ज्यादा सामाजिक संगठनों के पास ही होना चाहिए। समाज अपनी सुरक्षा की चिंता स्वयं करे। यहां तक कि ऑक्सीजन, अस्पताल बिस्तर और दवाओं की निरंतर निगरानी में भी सामाजिक भागीदारी होनी चाहिए। ध्यान रहे, शुरुआती सूचनाओं के आधार पर डेल्टा प्लस को तीन कारणों से अधिक संक्रामक बताया जा रहा है। अव्वल तो इसकी संक्रमण क्षमता ज्यादा है, दूसरी बात इसका फेफड़ों की कोशिकाओं के रिसेप्टर्स में मजबूत बंधन बनता है; और यह वायरस मोनोक्लोनल एंटीबॉडी प्रतिक्रिया को कम करता है। बड़ा खतरा यही है कि यह शरीर में एंटीबॉडी जरूरत के हिसाब से नहीं बनने देता है। शुक्रवार तक देश में 45 हजार कोरोना नमूनों में से 48 नमूने डेल्टा प्लस के पाए गए और चार मरीजों की मौत हुई। वैसे ये आंकड़े पर्याप्त नहीं हैं, जिनके आधार पर डेल्टा प्लस को ज्यादा खतरनाक घोषित कर दिया जाए। अभी डेल्टा प्लस जांच की सुविधा केवल 14 प्रयोगशालाओं में है, अतः केंद्र सरकार को विशेष रूप से पहल करते हुए जांच के ज्यादा से ज्यादा केंद्र बनाने चाहिए। टीकाकरण में तेजी लाना भी जरूरी है। दो टीका लेने के बावजूद अगर राजस्थान में डेल्टा प्लस का मामला सामने आया है, तो भी टीके पर से हमारा विश्वास हिलना नहीं चाहिए। टीके पूरी तरह से सुरक्षित हैं, उनको लेकर सवाल व आशंकाएं अचरज की बात नहीं हैं। वैक्सीन फाइजर-मोदेरना से अगर हमारा जीनोम भी बदल रहा हो, तो भी कोई बात नहीं, हमारा निरोग रहना ज्यादा जरूरी है। यह महामारी इतनी विकराल है कि इसका असर मानव के बाह्य स्वरूप के साथ-साथ आंतरिक स्वरूप पर भी पड़ सकता है और संभव है, कोरोना के खत्म होने के बाद मनुष्य के डीएनए से इसकी छाप अपने आप मिट जाए। लेकिन फिलहाल जरूरी है कि हम दस्तक दे रहे खतरे को पूरी सावधानी और तैयारी के साथ मुंहतोड़ जवाब दें।

'आज के ट्वीट

वैक्सीन

विश्व में सबसे ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगाकर भारत सबसे ऊपर है अब तक सबसे ज्यादा वैक्सीन भारत में लगाई गयी हैं, 32 करोड़ 36 लाख जबकि दूसरे नम्बर पर अमेरिका है जहाँ 32 करोड़ 33 लाख वैक्सीन लगाई गयी हैं

\- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

कोरोना का नया रूप डेल्टा वैरियंट

(लेखक-डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट)

कोरोना डेल्टा वैरियंट कही तीसरी लहर का संकेत तो नही! पहली और दूसरी लहर के भयंकर परिणामो से अभी पूरी तरह से उभर भी नही पाए कि कोरोना ने डेल्टा वैरियंट के रूप में दस्तक दे दी है।कुछ लोग इसी दस्तक को तीसरी लहर के रूप में देख रहे है।हालांकि राहत की बात यह भी है कि देश के 500 से अधिक जनपदों में कोरोना की घटकर पांच प्रतिशत तक सिमट चुका है। पिछले डेढ़ महीने में 90 प्रतिशत तक कोरोना केसों में कमी आई है।लेकिन चिंता की बात यह है कि डेल्टा वैरिएंट के मामले कम होने के बजाए बढ़ते जा रहे हैं। भारत दुनिया का दूसरा ऐसा देश है, जहां डेल्टा वैरिएंट के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। एक माह में 54 सैंपल की सिक्वेसिंग में डेल्टा वैरियंट की उपस्थिति दर्ज की गई है।भारत में अभी तक 6,656 सैंपल में डेल्टा मिल चुका है।डेल्टा वैरिएंट के कारण ही भारत में मार्च से मई के बीच कोरोना महामारी का आक्रमक रुप देखने को मिला , जिसने गांव तक को चपेट में ले लिया था।इस विषय की शोद्यार्थी बानी जोली के शब्दों में, डेल्टा वैरिएंट को लेकर देश में काफी चर्चाएं चल रही हैं लेकिन डेल्टा प्लस के मामले अभी बहुत कम हैं। इस पर अधिक अध्ययन भी नहीं आए हैं। जबकि अकेले डेल्टा वैरिएंट को लेकर ही सबसे ज्यादा गंभीर स्थिति न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया भर में देखने को मिल रही है। इसी वैरिएंट के चलते देश में ब्रेक थ्रो इंफेक्शन भी चार से बढ़कर नौ से 10 फीसदी तक जा पहुंचा है। ब्रेक थ्रो इंफेक्शन का मतलब वैक्सीन की दोनों खुराक लेने के बाद संक्रमित होने वाले मरीजों से है। वही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की माने तो भारत में अभी तक 45 हजार सैंपल की सिक्वेसिंग हो चुकी है लेकिन अंतरराष्ट्रीय संगठन जीआईएसआईडी की वेबसाइट पर 28,150 सैंपल की ही जानकारी दी गई है। जिसके तहत पिछले एक महीने में भारत में 96 प्रतिशत से अधिक सैंपल में डेल्टा वैरिएंट पाया गया। दुनिया में सबसे ज्यादा डेल्टा वैरिएंट की मौजूदगी फिलहाल ब्रिटेन में है। जहां अब तक 56,100 सैंपल में डेल्टा वैरियंट मिल चुका है।लेकिन अभी यह कहना सही नही होगा कि भारत में डेल्टा वायरस के कारण कोरोना की तीसरी लहर आएगी। वैज्ञानिक डॉ. सुमित अग्रवाल की माने तो तीसरी लहर आने के कई अन्य कारण भी हो सकते हैं। वे कहते है कि वायरस का डेल्टा प्लस रूप ज्यादा संक्रामक है। इसको लेकर कई स्तरों पर अध्ययन हो रहे हैं। वायरस का यह रूप ज्यादातर महाराष्ट्र, केरल और मध्यप्रदेश में देखने को मिल रहा है। डॉ अग्रवाल ने कहा कि एमआरएनए वायरस का रूप बदलना स्वाभाविक है। इन्हें रोका नहीं जा सकता, हम इन्हें नियंत्रित नहीं कर सकते। इसलिए जैसे-जैसे समय गुजरेगा वैसे-वैसे हमें इसके और म्यूटेशन देखने को मिल सकता है और इसलिए यह वायरस हमारे लिए चिंता का बड़ा कारण है। वायरस के इस रूप में अब तक तीन प्रमुख लक्षणों की पहचान हुई है।देश के कुछ हिस्सों में डेल्टा प्लस वैरिएंट का पता चलने के बाद अब देश के वैज्ञानिक इसको बेअसर करने के तरीको को खोजने में जुटे हैं। इसको लेकर शोध हो रहे है। वही यह भी आंकलन हो रहा है कि भारतीय वैक्सीन कोरोना वायरस के नए डेल्टा प्लस वैरिएंट के खिलाफ कितनी असरदार है और क्या ये डेल्टा प्लस वैरिएंट को प्रभावहीन कर सकती है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी ने यह पता लगाने के लिए शोध करने का फैसला किया है । कोरोना वायरस के डेल्टा प्लस वेरिएंट के बढ़ने से एक बार फिर लोगो को

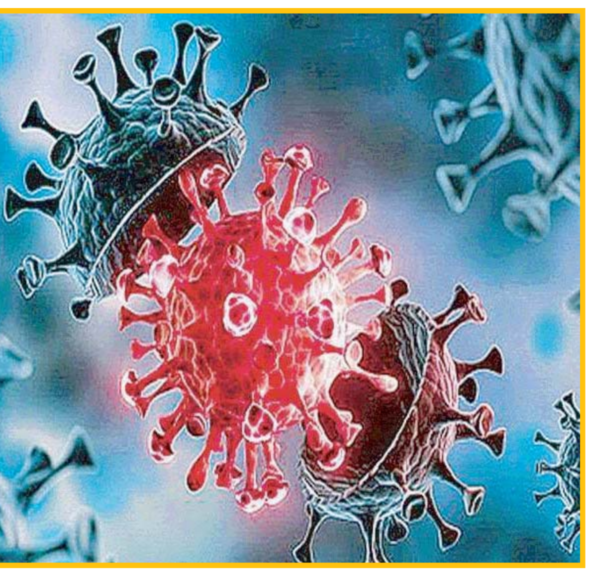

चिंता में डाल दिया है। डेल्टा प्लस वेरिएंट के मामले 11 देशों में मिल चुके हैं और यह अल्फा की तुलना में 35-60 फीसदी अधिक संक्रामक है।डेल्टा प्लस वैरिएंट देश के चार राज्यों जिनमे महाराष्ट्र ,केरल, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु शामिल है,में अब तक 40 मामले सामने आ चुके हैं। कोरोना वायरस के डेल्टा प्लस वैरिएंट के बढ़ने से एक बार फिर भारत से लेकर दुनियाभर में चिंताएं शुरू हो गई है।भारत के कुछ हिस्सों में डेल्टा प्लस वैरिएंट का पता चलने के बाद अब देश के वैज्ञानिक इसको प्रभावहीन करने के लिए दवाई खोजने में जुटे हुए हैं। देश में डेल्टा प्लस के मामले महाराष्ट्र के रत्नागिरी और जलगांव जिलो में, केरल के पलक्कड़ और पठानमथिट्टा जिलो में और मध्य प्रदेश के भोपाल और शिवपुरी जिलो में के साथ ही तमिलनाडु में भी उक्त लक्षण पाए गए हैं। एक अध्ययन में भारत की दोनों कोरोना वैक्सीन- कोवैक्सिन और कोविशील्ड को शामिल किए जाने की संभावना है। डॉ प्रज्ञा यादव ने कहा कि नए बढ़े डेल्टा प्लस वैरिएंट में संभावित रूप से बढ़ी हुई संक्रमण क्षमता, फेफड़ों की कोशिकाओं के लिए उच्च बाध्यकारी क्षमता और मोनोक्लोनल एंटीबॉडी उपचार के लिए प्रतिरोध है। इसको देखते हुए डेल्टा प्लस वैरिएंट एक चिंता का विषय हो सकता है और इसकी निगरानी की जानी चाहिए और प्रभावितों की रोकथाम की जानी चाहिए। डेल्टा प्लस वेरिएंट, 'वर्तमान में चिंताजनक वेरिएंट ' है, जिसमें तेजी से प्रसार, फेफड़े की कोशिकाओं के रिसेप्टर से मजबूती से चिपकने और 'मोनोक्लोनल एंटीबॉडी' प्रतिक्रिया में संभावित कमी जैसी परेशानी आती हैं। कोरोना वायरस देश में जानलेवा कोरोना वायरस के डेल्टा प्लस वेरिएंट ने सरकारों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। देश में डेल्टा प्लस वेरियंट के 40 केस हैं। ये 40 केस 8 राज्यों में पाए गए हैं।जिनमे महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, केरल, पंजाब, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, जम्मू और कर्नाटक शामिलहैं। वर्तमान में डेल्टा वैरियंट के राज्यों वार मामलो में महाराष्ट्र- 21,मध्य प्रदेश- 6,केरल-3,तमिलनाडु- 3,कर्नाटक- 2,आंध्र प्रदेश- 1,पंजाब-1,जम्मू- 1 पाए गए है। कोरोना वायरस का डेल्टा वेरिएंट विश्व में इस वायरस के अन्य स्वरूपों की तुलना में प्रबल होता जा रहा है, क्योंकि यह कहीं ज्यादा तेजी से संचारित होता है. कोरोना वायरस का डेल्टा वेरिएंट सबसे पहले भारत में सामने आया था. लेकिन अब यह करीब 80 देशों में पाया जा रहा है. बी.1.617.2 डेल्टा वेरिएंट का सबसे पहले भारत में अक्टूबर 2020 में पता चला था। डॉ. एंथनी फाउची ने आगाह किया है कि कोरोना का बेहद संक्रामक वेरिएंट डेल्टा महामारी का सफाया करने के प्रयासों के लिए सबसे बड़ा खतरा है।अमेरिका में सामने आने वाले कोरोना वायरस के नए मामलों में से 20 फीसदी से अधिक में संक्रमण की वजह डेल्टा वेरिएंट है।उन्होंने कहा कि दो हफ्ते पहले तक नए मामलों में से दस फीसदी में यह वेरिएंट पाया गया था।

ब्रिटेन में हावी हुआ डेल्टा वेरिएंट

गौरतलब है कि ब्रिटेन में यह वेरिएंट (डेल्टा) हावी हो चुका है और यहां सबसे पहले सामने आए अल्फा वेरिएंट के मुकाबले अधिक फैल चुका है।यहां 90 प्रतिशत से अधिक नए मामलों की वजह डेल्टा वेरिएंट है और इसके प्रकोप के कारण ब्रिटेन में गतिविधियों की मंजूरी देने में भी विलंब किया जा रहा है।अमेरिका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने डेल्टा को बेहद संक्रामक बताते हुए इसे चिंताजनक वेरिएंट की श्रेणी में डाला है। इसका प्रभावभारत, अमेरिका,ब्रिटेन, पुर्तगाल, स्विट्जरलैंड, जापान, पोलैंड, नेपाल, चीन और रूस में मिला है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार मोटे तौर पर दोनों भारतीय टीके कोविशील्ड और कोवैक्सीन डेल्टा वेरिएंट के खिलाफ प्रभावी हैं, लेकिन वे किस हद तक और किस अनुपात में एंटीबॉडी बना पाते हैं, इसकी जानकारी बहुत जल्दी साझा करने की बात कही गई है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

ज्ञान गंगा

वास्तविक जीवन

जग्गी वासुदेव

नींद एक और चमत्कार है। जब आप गहरी नींद में होते हैं तो आप कौन हैं, यह बात गायब हो जाती है। जब आप सोते हैं तो वास्तव में क्या होता है? ज्यादातर लोग गहरी नींद का अनुभव नहीं लेते। आपके दिमाग में लाखों बातें चलती रहती हैं, जो नींद के दौरान सपनों या बड़बड़ाने के रूप में बाहर निकलती हैं। आप जब खाना खा रहे होते हैं, तब घर के बारे में सोच रहे होते हैं, जब अपने घर पर होते हैं तो अपने काम के बारे में सोच रहे होते हैं, काम के वक्त यात्रा के बारे में सोचते हैं, जब यात्रा में होते हैं तब सोचते हैं कि सोएंगे कब? और जब सोने जाते हैं तो कुछ और सोच रहे होते हैं। आपका सारा जीवन बस ऐसे ही चलता है। आपको अपना जीवन पूरी तरह से समझना है तो आप जो कुछ भी कर रहे हों उसे 100ञ भागीदारी के साथ करिए, उसमें पूरी तरह शामिल होइए और अपने आपको उसके लिए पूरी तरह समर्पित कर दीजिए। चूंकि आप हमेशा ही अपनी विचार प्रकिया के साथ उलझे रहते हैं, केवल आपके विचार और भावनाएं ही आपके लिए जीवन बन गए हैं। गुस्सा, आनंद या संतोष ये सभी भावनाएं तो आपका अपना मन बनाता है। अपने अस्तित्व की असली संवेदनाओं के बारे में तो आप बिल्कुल ही उदासीन हो गए हैं। आप जीवन के साथ सिर्फ तब होते हैं, जब आप जो कुछ भी कर रहे हों, उसमें पूरी तरह से शामिल हों। जब आप खाते हैं, तब ब्रह्मांड आप का हिस्सा बन जाता है। जब आप सोते हैं, तब आप ब्रह्मांड का हिस्सा बन जाते हैं। आप ये 100% भागीदारी के साथ करें तो अनुभव के ऊंचे स्तरों की ओर ले जाने वाले दरवाजे आप के लिए खुल जाएंगे। सिर्फ वर्तमान क्षण ही जीवन में वास्तविक है, उसके पहले और बाद के क्षण हमारे अनुभव में नहीं हैं-वे काल्पनिक हैं। आप देखिए कि आप जो भी कर रहे हैं, उसे 100ञ भागीदारी के साथ कैसे करें? आप अगर सृष्टि या सृष्टिकर्ता का पूरा अनुभव करना चाहते हैं, तो वह केवल इसी क्षण में संभव है। पर आप अधिकतर किसी और ही मायाजाल में उलझे रहते हैं। जब लोग कहते हैं कि सारा ब्रह्मांड ही 'माया' या 'भ्रम' है, तो वे वह कह रहे होते हैं, जो वे देख रहे होते हैं। आप का मन अस्तित्व को उस तरह से नहीं देखता जैसा वो है। यह उसे किसी ना किसी तरह से बिगाड़ कर भ्रम पैदा करके देखता है।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

बालमन को राष्ट्रहित से जोड़ने का प्रयास

सियाराम पांडेय 'शांत'

यह गौरव की बात है कि इस देश को नरेंद्र मोदी जैसा प्रधानमंत्री मिला है जो न केवल लोगों की उम्मीदों की भाषा पढ़ते-समझते हैं बल्कि उन्हें तरक्की के अंतिम सोपान पर ले जाने के सपने भी देखते हैं। जो देश में चली आ रही वर्षों पुरानी जड़ता को तोड़ने का अगर प्रयास करते हैं तो बच्चों से लेकर बूढ़ों तक की सहूलियतों और मुस्कुराहटों का भी ख्याल रखते हैं। उनसे संवाद करते हैं और उनसे अपने मन की बात कहते हैं। विदेशी खिलौने हमारे बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करते हैं, पर्यावरण प्रदूषण के कारक तो बनते हैं। ऐसे में अगर भारतीय खिलौनों के निर्माण करने और उसे दुनिया भर के बाजारों में भेजने का संकल्प व्यक्त किया जा रहा है तो इसमें बुरा क्या है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में टायकैथन-2021 के प्रतिभागियों से वर्चुअली संवाद किया। प्रतिभागियों से उनके गेम्स के बारे में जानकारी ली। उन्हें अपने गेम्स को और बेहतर बनाने की नसीहत दी। एक बच्ची से तो उन्होंने यहां तक पूछ लिया कि क्या वे अपने देश के लोगों के लिए गेम्स बनाएंगी? यह देश के बालमन को राष्ट्रहित से जोड़ने का प्रयास नहीं तो और क्या है? जिस देश का बालक सूर्य और चंद्रमा को पाने के लिए मचलता रहा हो, जहां के खिलौने दुनिया भर के लिए आकर्षण का केंद्र रहे हों, उस देश की खिलौनों की जरूरत के लिए अगर विदेशों की ओर देखना पड़ रहा हो तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है? इसे कुछ राजनीतिक दल और यहां तक चीनी उत्पाद बेचकर मुनाफा कमाने वाले कुछ व्यापारी भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि सुधारने का प्रयास कह सकते हैं लेकिन सच तो यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस तरह नवोन्मेष कर रहे हैं, स्वदेशी वस्तुओं के निर्माण की अलख जगा रहे हैं, वह काम तो बहुत पहले होना चाहिए था। प्रधानमंत्री प्रतिभागियों को यह बताना भी नहीं भूले कि दुनिया का खिलौना बाजार करीब 100 बिलियन डॉलर का है। इसमें भारत की हिस्सेदारी सिर्फ डेढ़ बिलियन डॉलर के आसपास ही है। भारत को जरूरत के लगभग 80 प्रतिशत खिलौने आयात करने पड़ते हैं। फलतः देश के करोड़ों-अरबों रुपये बाहर जा रहे हैं। इस स्थिति में बदलाव जरूरी है। प्रधानमंत्री ने प्रतिभागियों से यह भी कहा कि खिलौने और खेल हमारी मानसिक शक्ति, सृजनात्मकता और अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं, इसलिए इन विषयों पर भी बात होनी चाहिए। आज पूरी दुनिया भारत के सामर्थ्य को, कला-संस्कृति को, भारतीय समाज को ज्यादा बेहतर तरीके से जानना-समझना चाहती है। ऐसे में भारतीय खिलौने और खेल उद्योग बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने ऐसे खिलौनों के निर्माण पर जोर दिया है जिसमें भारत का मूल चिंतन नजर आए। पंचतंत्र की कहानियों से हमें यही सीख मिलती है तो फिर हमने अपने बच्चों को हिंसा और तनाव बढ़ाने वाले, उन्हें चिड़चिड़ा बनाने वाले विदेशी गेम्स के भरोसे क्यों छोड़ दिया, यह अपने आप में बहुत बड़ा सवाल है। प्रधानमंत्री का मानना है कि विगत 5-6 साल में हैकाथॉन को देश की समस्याओं के समाधान का एक बड़ा प्लेटफॉर्म बनाया गया है। इसके पीछे की सोच है- देश के सामर्थ्य को संगठित करना, उसे एक माध्यम देना। देश की चुनौतियों और समाधान से हमारे नौजवानों को सीधे जोड़ना। शिक्षा मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय सहित कई अन्य मंत्रालयों ने पांच जनवरी को टायकैथन-2021 की संयुक्त रूप से शुरुआत की थी। देश से लगभग 1.2 लाख प्रतिभागियों ने इसके लिए रजिस्ट्रेशन कराकर 17 हजार से अधिक नए विचार रखे। इनमें से 1,567 विचारों को 22 जून से 24 जून तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय आनलाइन टायकैथन ग्रैंड फिनाले के लिए चुना गया था। 7 फरवरी, 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि यह खिलौना मेला व्यापारिक या आर्थिक कार्यक्रम भर ही नहीं है बल्कि देश की सदियों पुरानी खेल और उल्लास की संस्कृति को मजबूत करने की एक कड़ी है। किसी भी संस्कृति में जब खेल और खिलौने आस्था के केन्द्रों का हिस्सा बन जाएं, तो इसका अर्थ है कि वह समाज खेलों के विज्ञान को गहराई से समझता है। हमारे यहां खिलौने ऐसे बनाए जाते थे जो बच्चों के चहुंमुखी विकास में योगदान दें, उनमें तार्किक क्षमता का विकास करें। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में सभी माता-पिता से अपील की थी कि वे बच्चों की पढ़ाई की तरह ही उनके खेलों में भी शामिल हों। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्ले-आधारित और गतिविधि-आधारित शिक्षा को शामिल करने की बात तो कही ही थी, यह भी कहा था कि खिलौनों के क्षेत्र में भारत के पास परंपरा भी है और तकनीकी भी है, भारत के पास विचारधारा भी हैं, और स्पर्धा भी है। उन्होंने दुनिया को पर्यावरण को मजबूती देने वाले खिलौनों की ओर वापस ले जाने की बात कही थी। उन्होंने देश के साफ्टवेयर इंजीनियरों से भारतीय कहानियों पर आधारित कंप्यूटर गेम्स बनाने की अपील भी की थी। आजाद भारत के इतिहास में शायद ही किसी प्रधानमंत्री ने इस तरह की मार्मिक अपील देशवासियों से की हो। उन्होंने खेल और खिलौनों के क्षेत्र में भी देश को आत्मनिर्भर बनाने और वोकल फॉर लोकल होने की बात कही थी लेकिन इसके विपरीत खिलौना व्यापारियों ने प्रचारित कुछ इस तरह किया कि वे मुकेश अंबानी की खिलौना कंपनी को आगे बढ़ाने और अन्य भारतीय खिलौना कंपनियों को नुकसान पहुंचाने की गरज से ऐसा कर रहे हैं। खिलौनों की गुणवत्ता जांच की अनिवार्यता को तो वे कमोवेश इसी रूप में देख रहे हैं।खिलौना उद्योग को 24 प्रमुख क्षेत्रों में दर्जा देने और राष्ट्रीय खिलौना कार्य योजना बनाने का निर्णय भी कुछ व्यापारियों को रास नहीं आया है।

टॉय एसोसिएशन ऑफ इंडिया की मानें तो भारत में हर साल चीन से करीब चार हजार करोड़ रुपये के खिलौने आयात किए जाते हैं। इन्हीं खिलौनों का बाजार मूल्य देखा जाए तो यह तीन गुना तक बढ़ जाता है। लिहाजा चीन से आए खिलौनों का कुल व्यापार करीब 12 हजार करोड़ रुपये का हो जाता है जबकि भारतीय खिलौनों की बात करें तो उनका कुल व्यापार एक हजार करोड़ रुपये का भी नहीं है। उसका मानना है कि खिलौना बाजार में चीन के वर्चस्व को कम करने के लिए मोदी सरकार ने विगत वर्षों में कुछ प्रयास किए हैं, उसका नुकसान भारतीय व्यापारियों को उठाना पड़ा है। 'माइल स्टोन इपेक्स' कंपनी के मालिक तो यहां तक कहते हैं कि 2017 में मोदी सरकार सर्टिफिकेशन के नए नियम लेकर आई। इसके चलते हम जैसे व्यापारियों पर हर उत्पाद पर एक लाख रुपए अतिरिक्त पड़ा। फिर सरकार ने चीन से आयात होने वाले खिलौनों पर इंपोर्ट ड्यूटी 20 फीसदी से बढ़ाकर सीधे 60 फीसदी कर दी। इससे भी हमें नुकसान हुआ क्योंकि जो माल हम चीन से लेते हैं उनका भारत में कोई विकल्प ही नहीं है। सवाल यह है कि जब हमें पता है कि हम कई मामलों में चीन पर आश्रित हैं तो अपने देश में आत्मनिर्भर होने और स्वदेशी वस्तुओं के निर्माण और उसके प्रोत्साहन की दिशा में काम क्यों नहीं हुआ? व्यापारियों को लाभ होना चाहिए लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं कि यह सब देश की दुर्दशा, विवशता और दयनीयता की कीमत पर हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय स्वावलंबन और स्वाभिमान को लेकर जो आत्मनिर्भर भारत का संकल्प व्यक्त किया है, उसे पूरा करना हम सभी भारतवासियों का कर्तव्य है। कोशिश यह होनी चाहिए कि हम किसी भी विदेशी सामान का उपयोग तब तक न करें जब तक कि बहुत जरूरी न हो।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सर्वकालिक उच्चस्तर को छूने के बाद फिसले सेसेंक्स, निफ्टी

मुंबई :

रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस और एचडीएफसी जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में नुकसान तथा वैश्विक बाजारों के नकारात्मक रुख के बीच सोमवार को सेंसेक्स 189 अंक टूट गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स दिन में कारोबार के दौरान 53,126.73 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर तक गया। बाद में यह 189.45 अंक या 0.36 प्रतिशत के नुकसान से 52,735.59 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 45.65 अंक या 0.29 प्रतिशत के नुकसान से 15,814.70 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी ने भी दिन में कारोबार के दौरान 15,915.65 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर को छुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में

टाइटन का शेयर सबसे अधिक एक प्रतिशत से अधिक टूट गया। टीसीएस, एचसीएल टेक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट और भारती एयरटेल के शेयर भी नुकसान में रहे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर, ''रिकॉर्ड उच्चस्तर पर खुलने बाद बाजार वैश्विक बाजारों के नकारात्मक रुख के बीच नकारात्मक दायरे में आ गए। एशिया भर में कोविड-19 के मामले बढ़ने से बाजारों में गिरावट आई।'' अन्य एशियाई बाजारों में चीन के शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग के हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया के कॉस्पी तथा जापान के निक्की में गिरावट आई। दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजार नुकसान में थे। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 0.16 प्रतिशत के नुकसान से 75.26 प्रतिशत डॉलर पर आ गया।

ट्विटर के शिकायत अधिकारी ने दिया इस्तीफा!

मुंबई । सोशल साइट ट्विटर के भारत में नियुक्त अंतरिम शिकायत अधिकारी ने अपने पद से त्यागपत्र दे` दिया है। नये सूचना प्रौद्योगिकी नियमों के तहत भारतीय उपयोगकर्ताओं की शिकायतों पर कार्रवाई के लिए प्रमुख सोशल मीडिया कंपनियों में शिकायत अधिकारी की नियुक्ति जरूरी है। एक स्रोत ने बताया कि हाल ही में भारत में ट्विटर की ओर से नियुक्त किए गए अंतरिम शिकायत अधिकारी धर्मेंद्र चतुर ने पद से इस्तीफा दे दिया है। सोशल मीडिया कंपनी की वेबसाइट पर अब चतुर का नाम नहीं दिख रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ के लिए दिशानिर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियमावली 2021 के तहत मंचों को अपनी वेबसाइट पर उक्त आधिकारी का नाम और सम्पर्क के पते देना जरूरी है। ट्विटर ने घटनाक्रम पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। चतुर ने ऐसे समय में इस्तीफा दिया है जब नये सोशल मीडिया नियमों को लेकर सूक्ष्म संदेशों के आदान-प्रदान की यह साइट सरकार के निशाने पर है। सरकार ने ट्विटर पर जानबूझकर इन नये नियमों का पालन न करने का आरोप लगाया है और उसकी आलोचना की है। नये नियम 25 मई से लागू हो गए हैं।

पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट की वित्त वर्ष 2021-22 में 100 करोड़ रुपये निवेश की योजना

नयी दिल्ली, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं की विनिर्माता और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवा मुहैया कराने वाली कंपनी पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट लिमिटेड (पीजीईएल) ने कहा कि उसने चालू वित्त वर्ष के दौरान 100 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बनाई है। कंपनी ने बताया कि इसमें से ज्यादातर राशि महाराष्ट्र के अहमदनगर में एयर-कंडीशनर विनिर्माण संयंत्र की स्थापना पर खर्च होगी। पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट ने कोविड-19 महामारी की पहली लहर के दौरान अपनी निवेश योजना को रोक दिया था, हालांकि अब वह विस्तार योजनाओं की दिशा में तेजी से बढ़ रही है। पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक (परिचालन) विकास गुप्ता ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''एयर कंडीशनर खंड में अपनी क्षमताओं के विस्तार के लिए हमारे पास पूंजीगत व्यय की योजना है और हम एक ग्रीनफील्ड संयंत्र लगा रहे हैं, जिसके लिए हमने लगभग तीन महीने पहले 10 एकड़ जमीन खरीदी।'' उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान कुल पूंजीगत व्यय योजनाएं लगभग 100 करोड़ रुपये के आसपास हैं, जिसका अधिकांश हिस्सा (70 से 80 प्रतिशत) एसी संयंत्र में जाएगा, जिसे पुणे के पास अहमदनगर में स्थापित किया जा रहा है और शेष राशि नए संयंत्रों के क्षमता विस्तार में खर्च होगी।

आईओबी और सीबीआई का हो सकता है निजीकरण

मुंबई। कैबिनेट सेक्रेटरी की अगुवाई वाले एक पैनल ने उन बैंकों के नाम फाइनल कर लिए हैं जिनका निजीकरण किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (सीबीआई) के नाम पर मुहर लगी है। सरकार इन बैंकों में अपनी हिस्सेदारी बेचकर फंड जुटाएगी।` वित्त मंत्रालय सरकारी बैंकों के निजीकरण के लिए कानून में संशोधन पर भी काम कर रही है। जानकारी के मुताबिक उच्च स्तर पैनल की बैठक में जिन नामों पर मुहर लगाई गई है। इसकी सिफारिश नीति आयोग ने 24 जून को की थी। पैनल इन नामों की लिस्ट भेजेगा जिसके बाद इस पर आखिरी फैसला होगा।

कच्चे इस्पात का उत्पादन मई में 46.9 फीसदी बढ़ा: वर्ल्डस्टील

नई दिल्ली। देश में कच्चे इस्पात का उत्पादन सालाना आधार पर मई में 46.9 प्रतिशत बढ़कर 92 लाख टन रहा। विश्व इस्पात संघ (वर्ल्डस्टील) ने अपनी ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी दी। पिछले वर्ष मई में कच्चे इस्पात का उत्पादन 58 लाख टन था। वर्ल्डस्टील ने कहा` कि विश्व इस्पात संघ (वर्ल्डस्टील) को जानकारी देने वाले 64 देशों में आलोच्य माह के दौरान कच्चे इस्पात उत्पादन 16.5 प्रतिशत बढ़कर 17.44 करोड़ टन रहा। रिपोर्ट के अनुसार मई में चीन में कच्चे इस्पात का उत्पादन 6.6 प्रतिशत बढ़कर 9.95 करोड़ टन रहा जो एक साल पहले इसी महीने में 9.23 करोड़ टन था। वर्ल्डस्टील के अनुसार मई में जापान का कच्चा इस्पात उत्पादन मई, 2020 के 59 लाख टन के मुकाबले 84 लाख टन पर पहुंच गया। आंकड़ों के अनुसार अमेरिका का उत्पादन मई 2020 के 42 लाख टन से बढ़ कर 72 लाख लाख टन रहा। इसके अलावा रूस का मई का उत्पादन 66 लाख टन, दक्षिण कोरिया का 60 लाख टन, जर्मनी का 35 लाख टन, ईरान का 26 लाख टन तथा तुर्की और ब्राजील का कच्चे इस्पात का उत्पादन 32-32 लाख टन रहा। विश्व इस्पात संघ के सदस्य वैश्विक इस्पात उत्पादन में 85 प्रतिशत योगदान करते हैं।

एनटीपीसी ने 1,000 मेगावाट क्षमता की बैटरी भंडारण प्रणाली स्थापित करने के लिये वैश्विक निविदा जारी की

नयी दिल्ली, सार्वजनिक क्षेत्र की एनटीपीसी ने ग्रिड स्तर के 1,000 मेगावाट क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली स्थापित करने को लेकर रूचि पत्र आमंत्रित करने के लिये वैश्विक निविदा जारी की है। कंपनी की 26 जून को जारी निविदा के अनुसार, ''एनटीपीसी के भारत में स्थित बिजली संयंत्रों में 1,000 मेगावाट के ग्रिड स्तर के बीईएसएस की स्थापना के लिए किसी भी भारतीय/वैश्विक कंपनी/उनके संघ/संबद्ध/प्रतिनिधियों को रूचि पत्र (ईओआई) के लिए आमंत्रित किया जाता है।'' निविदा नोटिस के अनुसार यह रुचि पत्र ग्रिड स्तर के बीईएसएस की स्थापना के व्यावसायीकरण की संभावनाओं का आकलन करने के लिए है। ईओआई के जरिये प्राप्त आवेदकों की पहचान करने के बाद, एनटीपीसी के विभिन्न संयंत्रों में परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अलग से अनुरोध प्रस्ताव (आरएफपी) मंगाये जाएंगे। रूचि पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 10 अगस्त, 2021 है। रूचि पत्रों को अगले दिन खोला जाएगा। एनटीपीसी गैस, कोयला, पनबिजली और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर आधारित बिजलीघरों से करीब 300 अरब यूनिट बिजली पैदा करती है। कंपनी के संयंत्रों की उत्पादन क्षमता 65,000 मेगावाट है। कंपनी ने 2032 तक 1,30,000 मेगावाट उत्पादन क्षमता का लक्ष्य रखा है। इसमें 60,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य है। नोटिस में कहा गया है कि वर्ष 2030 तथा उसके बाद नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता बढ़ने का जो लक्ष्य है, उसके साथ ग्रिड स्तर के बीएसईएस की ओर कदम बढ़ाना उपयुक्त है।

कोरोना संकट के बीच पर्यटक गाइडों, ट्रैवल एजेंसियों के लिए ऋण गारंटी योजना लेकर आई सरकार

नई दिल्ली।

ऐसे समय में जब पर्यटन क्षेत्र अर्थव्यवस्था में सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में से एक रहा है और छोटे हितधारकों को वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को घोषणा की कि पंजीकृत पर्यटक गाइड और अन्य यात्रा और पर्यटन हितधारकों को 100 प्रतिशत गारंटी के साथ ऋण प्रदान किया जाएगा। पैकेज के तहत क्षेत्रीय या राज्य स्तर पर लाइसेंस प्राप्त पर्यटक गाइडों को गारंटी के साथ 1 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध होगा। पर्यटन मंत्री और राज्य सरकारों द्वारा मान्यता प्राप्त कुल 10,700 क्षेत्रीय स्तर के पर्यटक गाइड इस योजना से लाभान्वित होंगे। इसके अलावा, यात्रा और पर्यटन हितधारकों जैसे ट्रैवल एजेंसियों को 100 प्रतिशत गारंटी के साथ 10 लाख रुपये तक ऋण उपलब्ध होगा। पर्यटन मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त कुल 904 हितधारक ऋण गारंटी योजना के दायरे में होंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि कोविड प्रभावित क्षेत्रों के लिए नई ऋण गारंटी योजना के तहत पर्यटन क्षेत्र के लोगों को कोविड-19 के कारण प्रभावित हुए व्यवसायों को फिर से शुरू करने और देनदारियों को पूरा करने के लिए कार्यशील पूंजी या व्यक्तिगत ऋण प्रदान किया जाएगा। दरअसल पर्यटन क्षेत्र भारत में काफी महत्वपूर्ण है। यह रोजगार और स?वरोजगार पैदा करता है। कोरोना संकट के बीच वित्तीय सहायता टूरिस्ट गाइड्स और दूसरे स्टेक होल्डर्स के लिए की गई है। इससे कार्यशील पूंजी मिलेगी और साथ ही व्यक्तिगत कर्ज में भी लाभ मिलेगा। यह योजना एक प्रकार से देनदारियों को चुकाने के लिए लाई गई है। इसके साथ ही नया कारोबार शुरू करने में भी यह योजना मदद करेगी।

स्वास्थ्य क्षेत्र को 50 हजार करोड़ रुपये की लोन गारंटी दी जाएगी : सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 50 हजार करोड़ रुपये का ऐलान किया है। यह महामारी के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ा है एक राहत पैकेज है, जिसके तहत मेडिकल सेक्टर को लोन गारंटी दी जाएगी। इसके साथ ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कोविड-19 प्रभावित क्षेत्रों के लिए 1.1 लाख करोड़ रुपये की ऋण गारंटी योजना की भी घोषणा की है। कोरोना महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुई अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकने के लिए केंद्र सरकार ने एक राहत के तौर पर इस पैकेज का ऐलान किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी।

कायाकल्प के साथ अयोध्या में होगी रोजगार की भरमार

लखनऊ।

अयोध्या के कायाकल्प के साथ ही वहां रोजगार की भी भरमार होगी। सरकारी दावे के अनुसार आने वाले समय में अयोध्या में प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 12 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। इसमें से चार लाख लोगों को सीधे रोजगार मिलेगा। जिन क्षेत्रों में रोजगार मिलेगा, उनमें धार्मिक,सांस्कृतिक,वेलनेश और व्यसायिक टूरिज्म के अलावा ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक, सूक्ष्म एवं लघु उद्योग,रिटेल एवं ट्रेड आदि प्रमुख हैं। इसमें से कुछ क्षेत्र तो बिल्कुल नए होंगे। विजन डॉक्यूमेंट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सहमति सामने आने के बाद अब योजनाओं को जमीन पर उतारने की दिशा में कार्य और गति पकड़ेगा। विजन डॉक्यूमेंट से स्पष्ट होता है कि राज्य के मुख्यमंत्री रामनगरी का विकास प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप चाहते हैं। राज्य सरकार की इच्छा रामनगरी को धार्मिक पर्यटन का केंद्र बनाने की है। दृष्टिकोण प्रपत्र में इसे शामिल कर प्रधानमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया गया। रामनगरी को इस प्रकार विकसित करना है कि यहां आने वाला पर्यटक रामनगरी से गोरखपुर, प्रयागराज, वाराणसी व लखनऊ के धार्मिक स्थलों तक सुविधाजनक रूप से पहुंच सके। इसे लेकर इन शहरों से परिवहन सेवा को और मजबूत किया जाएगा। मालूम हो कि भारत में धार्मिक पर्यटन को परंपरा से जोड़कर देखा जाता है। पर्यटकों की कुल संख्या में से सर्वाधिक धार्मिक पर्यटकों की ही होती है। उत्तर प्रदेश वास्तव में जिन वजहों से अपार संभावनाओं वाला प्रदेश माना जाता है, उन संभावनाओं में पर्यटन भी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यही वजह सरकार धार्मिक स्थलों के सुंदरीकरण के जरिए लोगों के आस्था के सम्मान के साथ पर्यटन को रोजगार का बड़ा माध्यम बना रही है। स्वदेश दर्शन योजना के तहत राम सर्किट, कृष्ण सर्किट, बौद्ध सर्किट, आध्यात्मिक सर्किट,हेरिटेज सर्किट,बुंदेलखंड सर्किट, सूफी,जैन, बौद्ध, शक्तिपीठ से जुड़े क्षेत्रों के विकास का भी यही मकसद है कि इन जगहों पर अधिक से अधिक लोग आएं। अयोध्या में भव्य दीपोत्सव, काशी की देव दीपावली, बरसाने की होली मथुरा का कृष्ण जन्मोत्सव, चित्रकूट के रामायण मेले को लोकप्रिय बनाने के पीछे भी यही मकसद है। इन जगहों और आयोजनों में जब लोग आएंगे तो अपनी क्षमता के अनुसार रहने, खाने,परिवहन और अन्य चीजों की खरीददारी पर खर्च करेंगे। पर्यटकों की संख्या के अनुसार ही इन सभी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। धार्मिक पर्यटन के साथ ही यहां इको टूरिज्म पर भी इसी उद्देश्य से सरकार का

खासा जोर है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ट्रांसपोर्ट और कनेक्टिविटी पर खासा फोकस कर रही है। अयोध्या और कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, चित्रकूट में हिल टॉप एयरपोर्ट के साथ आजमगढ़, सोनभद्र, ललितपुर, श्रावस्ती आदि स्थानों पर भी एयरपोर्ट बन रहे हैं। अयोध्या के नगर आयुक्त विशाल सिंह ने बताया, अयोध्या को तेजी से विकसित करने की दिषा में काम हो रहा है। विजन डाक्यूमेंट के अनुसार 4 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा और 8 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। कुल मिलाकर 12 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। जैसे ही कोविड खत्म होगा, लोगों का अवागमन बढ़ेगा। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से अयोध्या में रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे।

भारत में तेजी से बढ़ रहा क्रिप्टोकरेंसी में निवेश

क्या बिटकॉइन को नए जमाने का सोना मान रहे हैं भारतीय?

नई दिल्ली।

भारत में क्रिप्टोकरेंसी में निवेश तेजी से बढ़ रहा है, इसको देखकर ऐसा लग रहा है कि निवेशक बिटकॉइन को नए जमाने का सोना मान रहे हैं। दुनिया में सोने की सबसे ज्यादा खपत भारत में है, क्यों कि इसे सुरक्षित निवेश का सबसे अच्छा जरिया माना जाता रहा है। भारत में परिवारों के पास 25,000 टन से ज्यादा सोना है। इधर, चाइनालिसिस क्रिप्टोकरेंसी में भारत में निवेश एक साल में 20 करोड़ डॉलर से बढ़कर 40 अरब डॉलर पहुंच गया है। यह तब है जब भारतीय रिजर्व बैंक क्रिप्टोकरेंसी में निवेश को लेकर खुश नहीं है। वह क्रिप्टोकरेंसी में निवेश पर रोक लगाने पर विचार कर रहा है। 32 साल की उद्यमी रिची सूद उन निवेशकों में हैं, जिन्होंने गोल्ड की जगह क्रिप्टो में पैसे लगाना शुरू किया है। पिछले साल दिसंबर से वह इसमें 10 लाख रुपये से ज्यादा रकम निवेश कर चुकी हैं। इसमें से कुछ रकम उन्होंने अपने पिता से उधार लिया है। उन्होंने मुख्य रूप से बिटकॉइ, डॉगकॉइन और इथर में निवेश किया है। सूद ने क्रिप्टो में निवेश से अच्छा मुनाफा भी कमाया है। जब इस साल फरवरी में बिटकॉइन की

कीमत 50,000 डॉलर तक पहुंच गई तो उन्होंने जमकर मुनाफावसूली की। फिर हाल में आई गिरावट के बाद उन्होंने फिर से इसमें निवेश कर दिया। इससे उन्हें अपने कारोबार का विस्तार करने में काफी मदद मिली है। सूद कहती हैं कि मैं सोने की जगह अपना पैसा क्रिप्टो में डालना पसंद करूंगी। क्रिप्टो सोना और प्रॉपर्टी के मुकाबले ज्यादा पारदर्शी है। इससे छोटी अवधि में अच्छा रिटर्न कमाया जा सकता है। देश में 1.5 करोड़ से ज्यादा ऐसे निवेशक हैं, जो डिजिटल कॉइन खरीद और बेच रहे हैं।

राजमार्गों के साथ रियल एस्टेट विकास पर मिल सकता है 15 प्रतिशत रिटर्न: जेएलएल इंडिया

नयी दिल्ली,

संपत्ति सलाहकार जेएलएल इंडिया का मानना है कि राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ रियल एस्टेट का विकास कर बिल्डर और संभावित निवेशक 15 प्रतिशत से अधिक रिटर्न या प्रतिफल प्राप्त कर सकते हैं। जेएलएल इंडिया ने सोमवार को बयान में कहा कि सरकार राजमार्ग नेटवर्क के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा और संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराने पर ध्यान दे रही है। परामर्शक ने कहा कि राजमार्गों के साथ अन्य सुविधाओं के अलावा वाणिज्यिक स्थल, भंडारगृहों और लॉजिस्टिक्स पार्कों और यात्रियों के लिए सुविधाओं मसलन रेस्तरां, फूड कोर्ट, खुदरा आउटलेट्स और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों का विकास करने की जरूरत है। जेएलएल इंडिया ने बयान में कहा, ''देशभर में राष्ट्रीय राजमार्ग रियल एस्टेट विकास अवसरों की पेशकश करते हैं। इनके विकास पर बिल्डरों को 15 प्रतिशत का रिटर्न मिल सकता है।'' परामर्शक ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

(एनएचएआई) ने 22 राज्यों में 650 से अधिक संपत्तियों की पहचान की है। इनके तहत अगले पांच साल में निजी क्षेत्र की भागीदारी के साथ कुल मिलाकर 3,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र का विकास किया जाना है। इनमें से 94 साइट दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर, 376 निर्माणाधीन नए राजमार्गों/एक्सप्रेसवे पर और 180 राजमार्गों के मौजूदा नेटवर्क में हैं।

2 दिनों तक बढ़ने के बाद सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में पिछले दो दिनों से तेजी से बढ़ोतरी के बाद सोमवार को कोई बदलाव नहीं आया है। इस हिसाब से राष्ट्रीय राजधानी में पेट्रोल की कीमत 98.46 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 88.90 रुपये प्रति लीटर है। इसी तरह, अन्य प्रमुख महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमत भी रविवार की कीमत स्थिर रही।

राजस्थान के श्रीगंगानगर में पेट्रोल सबसे महंगा है, जहां अब यह 109.67 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। यहां तक कि शहर में डीजल की कीमत 102.12 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.56 रुपये, 99.48 रुपये और 98.30 रुपये प्रति लीटर है। पिछले कुछ महीनों में कीमतों में उतार-चढ़ाव के रुझान के साथ, पेट्रोल राष्ट्रीय स्तर पर 100 रुपये प्रति लीटर या उससे अधिक पर जल्द ही पहुंच जाएगा। डीजल भी तेजी से पूरे देश में सेंचुरी के करीब है। पेट्रोल की कीमतों के अनुरूप देश भर में डीजल के दाम में भी इजाफा हो रहा है, लेकिन सोमवार को इसकी खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में डीजल 88.90 रुपये, 96.42 रुपये, 93.46 रुपये और 91.75 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और दुनिया के सबसे बड़े ईंधन खपतकर्ता - अमेरिका की घटती सूची के कारण, भारत में ईंधन की खुदरा कीमतों में आने वाले दिनों में और मजबूती आने की उम्मीद है। इंटरकांटिनेंटल एक्सचेंज पर बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वर्तमान में 76 डॉलर के आसपास है।

स्लाइस ने भारत में क्रेडिट कार्ड उद्योग को चुनौती देने के लिए 20 मिलियन डॉलर जुटाए

बेंगलुरु।

फिनटेक स्टार्टअप स्लाइस ने सोमवार को घोषणा की कि उसने भारत में क्रेडिट कार्ड उद्योग को चुनौती देने के लिए 20 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। स्लाइस ने यह राशि मौजूदा निवेशकों गुनोसी, ब्लूम वेंचर्स सहित अन्य से जुटाई है। स्लाइस के संस्थापक और सीईओ राजन बजाज ने एक बयान में कहा भारत में बैंकिंग उद्योग ने हमेशा उच्च आवृत्ति भुगतान साधन के बजाय क्रेडिट कार्ड को ऋण उत्पाद के रूप में देखा है। इसलिए, बैंकों का मुख्य ध्यान क्रेडिट कार्ड से संबंधित शुल्क का अनुकूलन करना है और ऋण पुस्तिका को बढ़ाने के लिए पोर्टफोलियो टीमें हैं। बजाज ने कहा, यह ग्राहक के अनुभव को कोने में छोड़ देता है। हालांकि, हम इसे एक भुगतान उत्पाद के रूप में देखते हैं और हम इसे ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए उपभोक्ता अनुभव की समस्या के रूप में हल कर रहे हैं। इसके अलावा, स्लाइस ने आज दो गेम-चेंजिंग फीचर्स भी लॉन्च किए हैं जो स्लाइस सुपर कार्ड को मिलेनियल्स और जेन जेड के लिए भुगतान करने का सबसे अच्छा तरीका बनाता है। अब, स्लाइस सदस्य हर कार्ड लेनदेन पर 2 प्रतिशत तक पुरस्कार प्राप्त कर सकते हैं जो तुरंत नकद में भुनाए जा सकते हैं। सदस्य अपने कार्ड बिलों को 3 महीने से अधिक समय तक मुफ्त में काट सकते हैं, जिसका मतलब है कि उन्हें 90 दिनों तक की ब्याज-मुक्त अवधि मिल सकती है। 2019 में अपने कार्ड के लॉन्च के बाद से स्लाइस में तेजी से वृद्धि देखी गई है। अब वे 3 मिलियन से ज्यादा पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं और महीने-दर-महीने लगातार 25 प्रतिशत की दर से बढ़ रहे हैं। स्लाइस सुपर कार्ड बिना किसी छिपे हुए शुल्क, ज्वाइनिंग फीस या वार्षिक शुल्क के साथ आता है। इसे देश भर के 99.95 प्रतिशत व्यापारियों द्वारा भी स्वीकार किया जाता है जो वीजा स्वीकार करते हैं।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रानी और वंदना ने मुझे लक्ष्य हासिल करने में मदद की : उदिता

बेंगलुरु। भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड खिलाड़ी उदिता ने कहा है कि टीम की कप्तान रानी रामपाल और वंदना कटारिया ने उनका लक्ष्य हासिल करने में उनकी मदद की है। उदिता ने साथ ही कहा कि रानी और वंदना जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षण ने उन्हें खेल की बारीकियां सिखाई हैं और टीम टोक्यो ओलंपिक के लिए तैयार है। उदिता ने कहा, रानी और वंदना के साथ ट्रेनिंग ने मुझे काफी कुछ सिखाया। इन्होंने करीब भारत के लिए 500 मैच खेले हैं। ये काफी अनुभवी खिलाड़ी हैं और हमेशा मेरा समर्थन करती हैं। मैं बहुत भाग्यशाली हूं जिसे ऐसे सीनियर खिलाड़ी मिले हैं। उदिता को टोक्यो ओलंपिक के लिए 16 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम में लिया गया है। इस पर उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सपना पूरा होने जैसा है।उदिता ने कहा, मैंने सिर्फ छह साल पहले हॉकी खेलना शुरू किया था। इससे पहले मैं हैंडबॉल खेलने में व्यस्त रहती थी। लेकिन जीवन ने मेरे लिए कुछ अलग प्लान बनाया था। मेरे हैंडबॉल कोच तीन दिन तक नहीं आए और मेरे पास हॉकी का विकल्प बचा था। मैंने हॉकी को चुना और इसने मेरा जीवन बदल दिया।उन्होंने कहा, भारतीय टीम का ध्यान सिर्फ टोक्यो पर है। इसमें कोई शक नहीं कि अगले कुछ सप्ताह हमारे जीवन के लिए काफी अहम होने वाले हैं।

धवन की कप्तानी में कोलंबो पहुंची भारतीय टीम, क्वारंटीन में किया प्रवेश

मुंबई।

भारतीय सीमित ओवरों की टीम सोमवार को श्रीलंका रवाना पहुंच गई और कोविड-19 प्रोटोकॉल के मुताबिक क्वारंटीन में प्रवेश कर गई है। भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज खेलनी है। टीम में 20 खिलाड़ी और पांच नेट गेंदबाज शामिल हैं।श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के अधिकारी ने पुष्टि करते हुए आईएएनएस से कहा, भारतीय टीम चार बजे के बाद कोलंबो पहुंची और सीधे क्वारंटीन पीरियड के लिए चली गई। शिखर धवन की कप्तानी और कोच राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में टीम इंडिया श्रीलंका के साथ अगले महीने तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलेगी। एसएलसी के एक बयान के अनुसार, टीम 29 जून से 1 जुलाई तक ताज समुद्र में रूम क्वारंटीन में रहेगी। इसके बाद उन्हें 2 से 4 जुलाई तक क्वारंटाइन में अभ्यास करने की अनुमति दी जाएगी। 5 जुलाई से वे क्वारंटीन से बाहर होंगे लेकिन बायो-बबल के अंदर रहेंगे और टीम प्रबंधन की इच्छा के अनुसार अभ्यास या आराम करेंगे। बयान के मुताबिक, सीरीज शुरू होने से पहले भारतीय टीम का कार्यक्रम- 1) 29 जून से 1 जुलाई, 2021 तक कक्ष संगरोध; 2 से 04 जुलाई, 2021 तक संगरोध / अभ्यास; 05 से 12 जुलाई, 2021 तक अभ्यास / आराम है।भारतीय टीम में 20 खिलाड़ी और पांच नेट गेंदबाज शामिल हैं। धवन ने रविवार को बताया था कि टीम कोलंबो पहुंचने के तीन दिन बाद अभ्यास शुरू करेगी।

भारतीय टीम इस प्रकार है :

शिखर धवन (कप्तान), पृथ्वी शॉ, देवदत्त पडीकल, रुतुराज गायकवाड़, सूर्यकुमार यादव, मनीष पांडे, हार्दिक पांड्या, नीतीश राणा, ईशन किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), युजवेंद्र चहल, राहुल चाहर, के. गौतम, क्रुणाल पांड्या, कुलदीप यादव, वरूण चक्रवर्ती, भुवनेश्वर कुमार (उपकप्तान), दीपक चाहर, नवदीप सैनी और चेतन सकारिया।

नेट गेंदबाज : इशान पोरेल, संदीप वारियर, अर्शदीप सिंह, साई किशोर और सिमरनजीत सिंह।

श्रीलंकाई टीम के प्रदर्शन देख निराश सनथ जयसूर्या, कहा- जल्द ही कुछ करना पड़ेगा

स्पोर्ट्स डेस्क ।

श्रीलंका की टीम को इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा है। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में श्रीलंका का कोई भी खिलाड़ी टीम को एक जीत भी नहीं दिला पाया है। श्रीलंका टीम के इस प्रदर्शन से पूर्व खिलाड़ी सनथ जयसूर्या काफी निराश हैं। क्योंकि पिछले 11 टी20 मैचों में श्रीलंका की टीम को सिर्फ एक ही जीत नसीब हुई है। सनथ जयसूर्या ने टीम के इस खराब प्रदर्शन को देखते हुए ट्वीट किया कि यह श्रीलंका क्रिकेट के लिए बेहद ही बुरा दिन है क्योंकि इस समय श्रीलंका क्रिकेट टीम बहुत ही गंभीर समस्या में है। हमें टीम के प्रदर्शन में सुधार लाने के लिए तुरंत कुछ करने की जरूरत है। टी20 सीरीज हारने के बाद श्रीलंका के तीन खिलाड़ी इंग्लैंड की सड़कों पर सिगरेट पीते हुए दिखाई दिए और बायो बबल का उल्लंघन किया। जिस कारण बोर्ड उन्हें निलंबित कर दिया। श्रीलंका की टीम साल 2014 में भारत को हराकर टी20 का खिताब जीत चुकी है। लेकिन अब टीम का प्रदर्शन इस स्तर पहुंच चुका है कि उसे टी20 विश्वकप में शामिल होने के लिए क्वालीफायर मैच खेलने पड़ेंगे। टी20 विश्वकप के क्वालीफायर्स में श्रीलंका की टीम को आयरलैंड, नीदरलैंड और ओमान जैसी टीमों के खिलाफ मैच खेलना होगा। इन क्वालिफायर्स में से सिर्फ चार टीमें ही विश्वकप के लीग मुकाबले खेलेंगी।

इंग्लैंड में टीम मैनजमेंट से उनकी जरूरत पर बात करूंगा : द्रविड

मुंबई।

श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम के कोच के रूप में जाने वाले राहुल द्रविड ने कहा है कि वह अगले कुछ सप्ताह में इंग्लैंड में टीम मैनजमेंट से उनकी जरूरतों को लेकर बात करेंगे। द्रविड़ ने कहा, मैंने विराट कोहली और रवि शास्त्री को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के दौरान परेशान नहीं किया, लेकिन मैं अगले कुछ सप्ताह में उनसे बात करूंगा और देखूंगा कि वह क्या सोच रहे हैं। 48 वर्षीय पूर्व बल्लबाज ने कहा कि टीम का मुख्य उद्देश्य सीरीज जीतना है और उम्मीद है कि इस प्रक्रिया में टीम टी20 विश्व कप के लिए कुछ विकल्प पेश कर सकती है। द्रविड़ ने कहा, टीम में ऐसे कई लोग हैं जो टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि फिलहाल टीम का मुख्य उद्देश्य सीरीज जीतना है। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य सीरीज जीतना है लेकिन मैं उम्मीद करता हूं कि कुछ अच्छे प्रदर्शन से हम चयनकर्ताओं के लिए दरवाजे खोल सकते हैं। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान ने कहा कि श्रीलंका दौरा ना सिर्फ पृथ्वी शॉ बल्कि देवदत्त पडीकल और रुतुराज गायकवाड़ जैसे अन्य खिलाड़ियों के लिए भी काफी अहम है। द्रविड़ ने कहा, पृथ्वी के अलावा भी यह सीरीज अन्य लोगों के लिए अहम है। पडीकल और गायकवाड़ जैसे कई युवा खिलाड़ी हैं जो इस दौरे में शामिल हैं। ये सभी अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेकरार हैं। इनको टी20 विश्व कप के लिए लेना है कि नहीं यह फैसला चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट को करना है। उन्होंने कहा, लेकिन अंतरराष्ट्रीय टीम के खिलाफ अगर आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो चयनकर्ता इस पर गौर करेंगे। इस तथ्य को देखते हुए यह दौरा काफी अहम है।

राही सरनोबत ने निशानेबाजी विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता

ओसियेक ।

ओलंपिक का टिकट हासिल कर चुकी भारतीय निशानेबाज राही सरनोबत ने यहां आईएसएसएफ विश्व कप में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में सोमवार को स्वर्ण पदक जीता जबकि युवा खिलाड़ी मनु भाकर सातवें स्थान पर रही। मौजूदा विश्व कप में भारत के लिए यह पहला स्वर्ण पदक है। इससे पहले भारतीय निशानेबाजों ने एक रजत और दो कांस्य पदक जीते है। तीस साल की सरनोबत ने क्वालीफाइंग में 591 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहने के बाद फाइनल में 39 का स्कोर किया। उन्होंने फाइनल के तीसरे, चौथे, पांचवे और छठी सीरीज में पूरे अंक हासिल किए। फ्रांस की मथिल्डे लामोले को रजत पदक मिला, जिन्होंने फाइनल में 31 अंक बनाए। क्वालिफिकेशन में सरनोबत ने सोमवार को रैपिड फायर राउंड में 296 का शानदार स्कोर किया। उन्होंने रविवार को प्रीसिशन भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 295 अंक जुटाए थे। भाकर 588 अंक के साथ क्वालीफाइंग में तीसरे स्थान पर थी। उन्होंने रैपिड फायर में 296 और प्रीसिशन में 292 अंक बनाए थे। वह हालांकि 11 के निराशाजनक स्कोर के साथ फाइनल से जल्दी बाहर हो गई। वह बुल्गारिया की विक्टोरिया चाका से शूट-ऑफ में हार गई। भाकर ने इससे पहले सौरव चौधरी के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था। उन्होंने इससे पहले सरनोबत और यशस्विनी देसवाल के साथ महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम का कांस्य पदक जीता था। इससे पहले, चौधरी ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत कांस्य पदक जीता था। तोक्यो ओलंपिक से पहले यह भारतीय निशानेबाजी टीम का अंतिम टूर्नामेंट है।

संक्षिप्त समाचार

मुक्केबाजी महासंघ ने सिमरनजीत, गौरव के नाम अर्जुन पुरस्कार के लिये भेजे

नयी दिल्ली, ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर चुकी सिमरनजीत कौर, राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता गौरव सोलंकी और विश्व चैम्पियनशिप रजत पदक विजेता सोनिया चहल के नाम भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने अर्जुन पुरस्कार के लिये भेजे हैं । सिमरनजीत (60 किलो) 2018 विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता है और तोक्यो ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर चुकी चार भारतीय महिला मुक्केबाजों में से है । सोलंकी (57 किलो) ने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था जबकि चहल (57 किलो) ने उसी साल विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता । वह पूर्व राष्ट्रीय चैम्पियन भी है । ये दोनों हालांकि ओलंपिक के लिये क्वालीफाई नहीं कर सके । बीएफआई महासचिव हेमंत कलीता ने कहा ,'' पिछले चार साल के प्रदर्शन के आधार पर ये तीन नाम तय किये गए हैं ।''अर्जुन पुरस्कार विजेता को 15 लाख रूपये ईनाम के तौर पर मिलते हैं ।महासंघ ने द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिये महिला टीम की सहायक कोच संध्या गुरंग और राष्ट्रीय युवा मुख्य कोच भास्कर भट्ट के नाम भेजे हैं । पिछले साल विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता मनीष कौशिक और लवलीना बोरगोहेन को अर्जुन पुरस्कार मिले थे । राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के लिये नामांकन भेजने की आज आखिरी तारीख थी । पुरस्कार 29 अगस्त को खेल दिवस के दिन दिये जाते हैं जो महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद का जन्मदिन है ।

स्ट्राइस रोटेट नहीं कर पाने की अक्षमता से चिंतित हैं मिताली

ब्रिस्टल। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में मिली हार के बाद भारतीय महिला टीम की कप्तान मिताली राज ने स्ट्राइक रोटेट नहीं कर पाने की अक्षमता पर चिंता जाहिर की है। भारत ने रविवार को खेले गए इस मैच में मिताली के 72 रनों की मदद से 50 ओवर में आठ विकेट पर 201 रन बनाए थे। लेकिन इंग्लैंड ने 34.5 ओवर में दो विकेट पर 202 रन बनाकर मैच जीता था। मिताली ने क्रिकइंफो से कहा, हम लोगों को स्ट्राइक रोटेट करने के पहलू पर काम करने की जरूरत है। हमें शीर्ष क्रम में एक अन्य बल्लेबाज की जरूरत है जो रन बना सके। उन्होंने कहा, हमें यह जानने की जरूरत है कि इंग्लैंड के तेज गेंदबाज काफी अनुभवी हैं, विशेषकर तेज गेंदबाज। वे अपने वातावरण में गेंदबाजी कर रहे हैं और इन्हें पता है कि यहां कैसे गेंदबाजी करनी है। मिताली ने कहा, पिछले कई वर्षो से मैंने देखा कि भारतीय टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए कम्फर्टेबल रहती है क्योंकि हमें पता होता है कि अपनी रन रेट को कैसे बढ़ाना है। लेकिन लक्ष्य सेट करने के मामले में हमें जरूरत है कि किसी तरह हम 250 का स्कोर खड़ा करें। उन्होंने कहा, बल्लेबाजी यूनिट को बल्लेबाजी कोच के साथ बैठकर रास्ता तलाशने की जरूरत है। अगर हम पहले बल्लेबाजी कर रहे हैं तो हमें 250 का स्कोर करने की कोशिश करनी होगी जिसके बाद हम इस हिसाब से दबाव बना सकें।

सुदीरमन कप फिनलैंड में होगा, वर्ल्ड टूर फाइनल इंडोनेशिया स्थानांतरित

कुआलालंपुर।

सुदीरमन कप फाइनल 2021 और बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल, इस साल के दो प्रमुख बैडमिंटन टूर्नामेंट, जो मूल रूप से चीन में होने थे, अब क्रमशः वांटा, फिनलैंड और बाली, इंडोनेशिया होंगे। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) ने सोमवार को यह बात कही। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक टोक्यो ओलंपिक के बाद शेष 2021 के लिए एक अद्यतन टूर्नामेंट कैलेंडर की घोषणा करते हुए, बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि कोविड -19 प्रतिबंधों ने इस साल चीन में टूर्नामेंट आयोजित करने के प्रयासों में बाधा उत्पन्न की है, जिसमें सूजौ में सुदीरमन कप फाइनल और ग्वांगझू में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल 2021 शामिल हैं। वैकल्पिक रूप से, वांता- फिनलैंड 26 सितंबर से 3 अक्टूबर तक सुदीरमन कप फाइनल 2021 का नया मेजबान है। इसके बाद डेनमार्क के आरहूस में थॉमस और उबेर कप फाइनल 2020 होना है, जिसे पिछले साल स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद यूरोप में लगातार तीन बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर इवेंट होंगे। नवंबर में, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर एशिया में चला जाएगा, जिसमें इंडोनेशिया बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल सहित बाली में तीन-टूर्नामेंट एशियन लेग की मेजबानी करेगा। कैलेंडर वर्ष का अंतिम टूर्नामेंट दिसंबर के मध्य में स्पेन के ह्यूएलवा में विश्व चैंपियनशिप के रूप में होगा।

सेरेना विलियम्स तोक्यो ओलंपिक में नहीं खेलेंगी

विम्बलडन । सेरेना विलियम्स ने रविवार को यहां विम्बलडन के वीडियो कांफ्रेंस में बताया कि वह तोक्यो ओलंपिक में भाग नहीं लेंगी लेकिन उन्होंने इसका कोई कारण नहीं बताया। सेरेना ने कहा कि मैं वास्तव में ओलंपिक की सूची में नहीं हूं। ऐसा नहीं है कि मुझे इस बारे में पता नहीं हैं। अगर यह सही है तो मुझे वहां नहीं होना चाहिए। इस 39 साल की खिलाड़ी ने अमेरिका के लिए ओलंपिक खेलों में चार स्वर्ण पदक जीते हैं जिसमें 2012 लंदन ओलंपिक में एकल और युगल दोनों वर्ग का स्वर्ण शामिल हैं। वह 2000 में सिडनी और 2008 में बीजिंग ओलंपिक में युगल में स्वर्ण जीत चुकी हैं। उन्होंने युगल वर्ग के सभी स्वर्ण बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ जीते हैं। रियो ओलंपिक (2016) में सेरेना एकल वर्ग में तीसरे दौर में हार गयी थी जबकि युगल में वह अपनी वीनस के साथ पहले दौर में ही बाहर हो गई थी। उन्होंने कहा कि ओलंपिक को लेकर मेरे इस फैसले के पीछे कई कारण हैं। मैं वास्तव में वहां नहीं जाना चाहती। माफी चाहूंगी। राफेल नडाल और डोमिनिक थिएम जैसे अन्य शीर्ष टेनिस खिलाड़ियों ने भी कहा है कि वे जापान नहीं जाएंगे। रोजर फेडरर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह तोक्यो खेलों में भाग लेंगे या नहीं। उन्होंने कहा यह इस पर निर्भर करेगा कि विंबलडन में चीजें कैसी रहती हैं।

न्यूजीलैंड ज्यादा टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने का हकदार है : साउदी

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी ने कहा है कि कीवी टीम ज्यादा टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने की हकदार है। न्यूजीलैंड ने हाल ही में भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में हराया था। न्यूजीलैंड ने पिछले पांच वर्षों में 18 द्विपक्षीय सीरीज खेली है, जिसमें से चार तीन मैचों की सीरीज थी जबकि अन्य दो मैचों की सीरीज थी। भारत ने भी इस दौरान 18 सीरीज खेली लेकिन उसने कीवी टीम के मुकाबले ज्यादा मैच खेले हैं। उन्होंने ज्यादातर तीन मैचों की सीरीज खेली जबकि कई बार उसने चार या पांच मैचों की सीरीज भी खेली है।साउदी ने क्रिकइंफो से कहा, मेरा मानना है कि ज्यादा क्रिकेट खेलना अच्छा रहेगा। हमने तीन मैचों की सीरीज ज्यादा नहीं खेली है, इसलिए मुझे लगता है कि दो मैचों की सीरीज के बजाए हम अगर ज्यादातर तीन मैच की सीरीज खेलेंगे तो सही रहेगा। उन्होंने कहा, लेकिन यह भविष्य दौरे कार्यक्रम को देखते हुए कठिन है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षो में हमने जिस तरह का खेल खेला है मुझे लगता है कि ज्यादा टेस्ट क्रिकेट खेलना हमारा अधिकार है। साउदी ने कहा, एक खिलाड़ी के लिए टेस्ट क्रिकेट महत्वपूर्ण होता है और आप हमेशा ज्यादा से ज्यादा खेलना चाहते हैं।

जापान तोक्यो ओलंपिक में 30 स्वर्ण जीतने के लक्ष्य से पीछे हटा

तोक्यो :

जापान ने अपनी सरजमीं पर अगले महीने आयोजित होने वाले ओलंपिक खेलों में 30 स्वर्ण पदक जीतने का पूर्वानुमान लगाया था लेकिन अब वह इससे पीछे हट गया है। सिर्फ जापान ही नहीं बल्कि तोक्यो खेलों में प्रदर्शन की भविष्यवाणी करना कई देशों के लिए एक समस्या हो सकती है। कोरोना वायरस महामारी ने कई क्वालीफाइंग प्रतियोगितओं को बाधित कर दिया है और खिलाड़ियों को अभ्यास करने का सही माहौल नहीं मिला। इस दौरान दुनिया भर में डोपिंग परीक्षण भी सवालों के घेरे में है। जापान ओलंपिक समिति ने कहा कि महामारी की चपेट में आने से कुछ महीने पहले तक 30 स्वर्ण पदक उनका लक्ष्य था। जापान ओलंपिक समिति के अध्यक्ष यासुहिरो यामाशिता ने कहा कि अब यह लक्ष्य नहीं है। यामाशिता ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस संबंध में कि क्या 30 (स्वर्ण) पदक हासिल करना महत्वपूर्ण है, मुझे स्पष्ट रूप से उत्तर देना होगा 'नहीं'। उन्होंने कहा कि अब ध्यान पदकों की कुल संख्या पर है। मुझे लगता है कि यह एक आम समझ है (जापान ओलंपिक समिति में) कि हम चाहते हैं कि प्रत्येक एथलीट अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और अपना पूरा जोर लगाने में सक्षम हो। इन खेलों में अमेरिका और चीन को स्वर्ण पदक के मामले में क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहने की संभावना है। जैसा की उन्होंने रियो और लंदन में किया था। बीजिंग ओलंपिक में हालांकि स्वर्ण पदकों की संख्या में चीन ने अमेरिका को पछाड़ दिया था। जापान ने इस ओलंपिक के लिए पहले 30 स्वर्ण जीतने का लक्ष्य रखा था। पांच साल पहले रियो ओलंपिक में जापान ने 12 स्वर्ण पदक जीते थे, जबकि उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2004 में एथेंस ओलंपिक और 1964 तोक्यो ओलंपिक में 16 स्वर्ण पदक रहा है।

टी20 विश्व कप की मेजबानी नहीं करेगा भारत, यूएई में किया जा सकता है शिफ्ट

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने यह फैसला किया है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को इस बारे में सूचना देगा कि भारतीय बोर्ड इस साल होने वाले टी20 विश्व कप की मेजबानी नहीं कर पाएगा और इस टूर्नामेंट को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में कराया जाए।टी20 विश्व कप का आयोजन 17 अक्टूबर से 14 नवंबर तक कराए जाने की संभावना है और इसके शुरूआती मुकाबले ओमान में हो सकते हैं। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने सोमवार को आईएएनएस से कहा, हमारी आज बैठक हुई जिसमें फैसला लिया गया कि कोरोना महामारी को देखते हुए टी20 विश्व कप की मेजबानी करना संभव नहीं है। कोरोना के तीसरी लहर के बारे में बात उठ रही है, इसलिए इस टूर्नामेंट को कराना जोखिम भरा है। हम अपने फैसले की जानकारी जल्द ही आईसीसी को देंगे। टूर्नामेंट यूएई में कराए जाने की स्थिति में भी इसकी मेजबानी भारत ही करेगा। आईसीसी ने कहा कि उसे बीसीसीआई से जानकारी मिलने के बाद वह जल्द ही इस बारे में बयान जारी करेगा। यह भी समझा जाता है कि बीसीसीआई आईसीसी को टैक्स में छूट दिलाने की गारंटी दिलवाने में भी फेल रहा है।एक सूत्र ने आईएएनएस से कहा, बीसीसीआई ने टैक्स में छूट के लिए आवेदन दायर किया था लेकिन वित्त मंत्रालय की ओर से इस पर कोई सूचना नहीं दी गई। टैक्स में छूट नहीं मिलने पर बीसीसीआई को आईसीसी को कम से कम 227 करोड़ रुपये और अधिकतम 906 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा। गत चार मई को आईपीएल 2021 के स्थगित होने के बाद टी20 विश्व कप को यूएई शिफ्ट किए जाने पर चर्चा हुई थी।

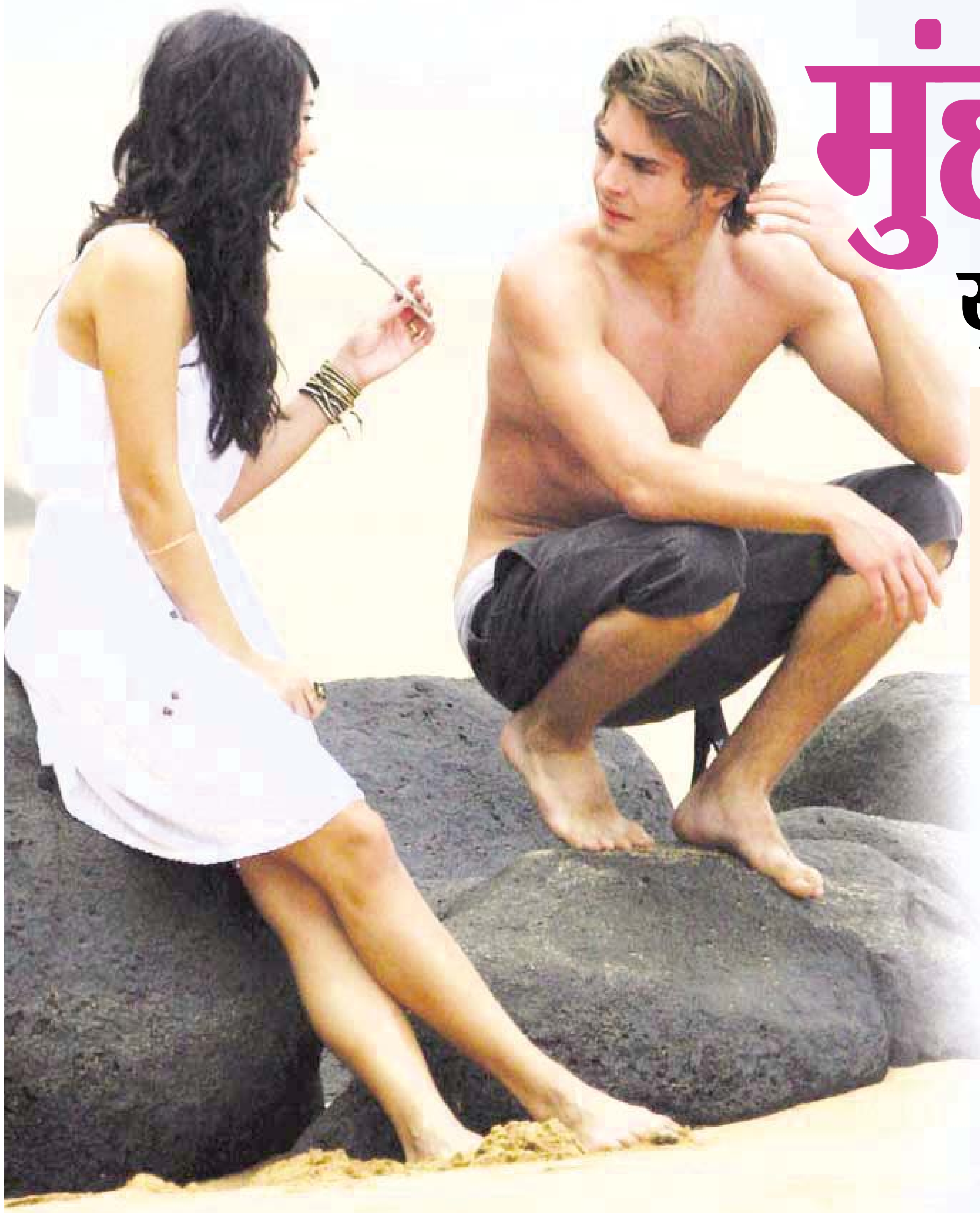

मुंहासे युवा की समस्या

मेडिकल भाषा में मुंहासों को एक्ने कहा जाता है। यह एक ऐसी बीमारी है, जो त्वचा में सीबम का प्रोडक्शन प्रभावित होने पर होती है। आज का हर युवा मुंहासों की समस्या से परेशान है। युवावस्था में कदम रखते ही हर युवाओं को इस समस्या से जूझना पड़ता है। युवाओं के लिए यह किसी बीमारी से कम नहीं है। लेकिन अगर कुछ सामान्य बातों पर ध्यान दिया जाय तो इस समस्या से बचा जा सकता है।

क्यों होते हैं मुंहासे

मेडिकल भाषा में मुंहासों को एक्ने कहा जाता है। यह एक ऐसी बीमारी है, जो त्वचा में सीबम का प्रोडक्शन प्रभावित होने पर होती है। त्वचा में सीबम का प्रोडक्शन ठीक से नहीं होने और उसके पूरी त्वचा पर न पहुंचने के कारण यह समस्या सामने आती है। सीबम वैक्सी आइल पदार्थ है, जो त्वचा को वाटरप्रूफ बनाए रखने में सहायता करता है। यह त्वचा की सतह पर मौजूद सेबासीयस ग्लैंड्स में बनता है। सेबासीयस ग्लैंड्स त्वचा से हेयर फॉलीस्लेस से जुड़े होते हैं। मृत त्वचा कोशिकाएं हेयर फॉलीस्लेस को ब्लॉक कर देती हैं, लेकिन सीबम का प्रोडक्शन जारी रहता है। इसके कारण ब्लॉकेज के स्थान पर सूजन आ जाती है। यह सूजन ही मुंहासे का रुप ले लेती है और इसमें मवाद भर जाता है। मुंहासे के फूटने पर यह मवाद पूरी त्वचा पर फैल जाता है, जिससे मुंहासों की समस्या और अधिक बढ़ने लगती है।

मुंहासों के प्रकार

ब्लैक हेड्स – ये ब्लॉक्ड पोर होते हैं। पोर में एकत्र हुई मृत कोशिकाओं को ही ब्लैकहेड कहा जाता है।

व्हाइट हेड्स – ब्लॉकेज के पीछे बनने वाला सीबम लंप बन जाता है, जो त्वचा पर आसानी से दिखाई नहीं देता। पैपल्स – सीबम त्वचा की परतों पर फैल जाता है, जिससे त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। इसी के कारण दर्द भरे लाल मुंहासे होते हैं।

कारण

हमारी त्वचा बहुत संवेदनशील होती है। मुंहासे उन स्थानों पर होते हैं, जहां पर सीबम का प्रोडक्शन अधिक होता है। मसलन चेहरा, गर्दन, छाती और पीठ इस मामले में संवेदनशील होते हैं। सेक्स हार्मोन भी सीबम का प्रोडक्शन बढ़ाते हैं। किशोरावस्था में सेक्स हार्मोन तेजी से बदलते हैं, इसीलिए इस उम्र में यह समस्या प्रमुखता से उभरकर आती है। इसके अलावा इस समस्या के लिए एक्स्ट्रा हार्मोन भी जिम्मेदार हैं। बॉडी बनाने के लिए कई युवा एनाबोलिक स्टेरोइड्स के रुप में एक्स्ट्रा हार्मोन लेते हैं। वहीं हार्मोन ट्रीटमेंट भी इस समस्या का कारण बन सकते हैं।

क्यों बढ़ती है समस्या

प्रारंभ में मुंहासे इतने अधिक दर्द भरे नहीं होते हैं, लेकिन उचित देखभाल न होने से यह समस्या सामने आती है। मसलन यदि आप मुंहासों को दबाकर फोड़ दें या मसलें, तो उनसे निकलने वाला मवाद त्वचा में अन्यत्र फैलता है, जिसके कारण यह समस्या बढ़ती जाती है।

क्या करें

मुंहासों से निजात के लिए कई लोग सुनी – सुनाई बातों को मानकर अपने आप ही इलाज करने लगते हैं, लेकिन ऐसा करना ठीक नहीं है। त्वचा रोग विशेषज्ञ इस बारे में विशेष सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। यदि आप मुंहासों की समस्या से ग्रसित हैं, तो निम्न बातों पर ध्यान दें:

- त्वचा की क्लींजिंग करते रहें। इसके लिए सॉफ्ट क्लींजर का प्रयोग करें। मुंहासों की समस्या शुरु न भी हुई हो तो त्वचा की उचित देखभाल हमेशा लाभप्रद ही होती है।
- त्ऑइल– फ्री या नॉन – कॉमेडोजेनिक स्किन केयर प्रोडक्ट ही उपयोग में लाएं, तो बेहतर है।
- त्शोधकर्ताओं के अनुसार मुंहासों को ठीक करने के लिए केवल बेंजोइल पेरॉक्साइड, एजेलाइक एसिड या फिर सल्फर युक्त क्रीम या लोशन ही उपयोग में लाएं।
- त्इस तरह की क्रीम या लोशन का उपयोग दिन में एक बार प्रभावित स्थान पर करें।
- त्टेट्रासाइक्लीन या इरीथ्रोमाइसिन जैसे एंटीबायोटिक्स भी बैक्टीरिया को मारकर मुंहासों से बचाते हैं।
- त्हर व्यक्ति की त्वचा अलग होती है, इसलिए त्वचा रोग विशेषज्ञ की सलाह से इलाज लेना ही उचित होगा।
- त्अगर आप इन छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दें तो मुंहासों की समस्या आपके आस – पास भी नहीं फटकेगी।

हेल्दी बनाए दीर्घकालीन डेटिंग

जहां डेटिंग संबंधों को बेहतर बनाने का काम करती है वहीं इससे संबंधों पर बुरा असर भी पड़ सकता है। यदि कुछ बातों का डेटिंग के दौरान ख्याल रखा जाए तो इससे संबंध दीर्घगामी भी हो सकते हैं।

डेटिंग एक-दूसरे को समझने और संबंधों को बेहतर बनाने का जरिया है। जहां डेटिंग संबंधों को बेहतर बनाने का काम करती है वहीं इससे संबंधों पर बुरा असर भी पड़ सकता है। यदि कुछ बातों का डेटिंग के दौरान ख्याल रखा जाए तो इससे संबंध दीर्घगामी भी हो सकते हैं। यहां कुछ ऐसे ही टिप्स बताए जा रहे हैं जो डेटिंग में काफी मददगार साबित हो सकते हैं-

अपने अतीत के बारे में अधिक न बताएं- हर व्यक्ति का एक अतीत होता है। आपके अतीत जैसा आपकी गर्लफ्रेंड का भी अतीत हो सकता है। एक सफल और दीर्घगामी डेटिंग के लिए जरूरी है कि आप अपने अतीत की अनावश्यक बातों की चर्चा डेटिंग के दौरान न करें। यदि आप अपनी कठिनाइयों और पुरानी डेटिंग के बारे में बताएंगे तो आपकी सहयोगी की आपमें दिलचस्पी कम हो जाएगी। ज्यादा उतावले न बनें- अक्सर देखा जाता है कि एक डेटिंग के बाद पुरूष अधिक उतालवे हो जाते हैं। यह उतावलापन अगली डेटिंग पर जल्दी जाने का होता है। चंद मुलाकातों के बाद पुरूष फोन कॉल्स की बरसात कर देते हैं। इस तरह का उतावलापन ठीक नहीं है। आपको अपनी गर्लफ्रेंड को कुछ आराम करने का समय भी देना चाहिए। आपका यह उतालवापन आपके संबंधों पर बुरा असर डाल सकता है।

तारीफ करें- अपनी गर्लफ्रेंड को खुश करने के लिए उसकी तारीफ करते रहें। अगर आपकी गर्लफ्रेंड सुंदर लग रही हों तो उसकी सुंदरता की तारीफ करें। कुछ लड़कियों को समझने में समय लगता है, इसलिए यदि आपकी वर्तमान गर्लफ्रेंड की व्यवहार अन्यों से अलग हो तो उसे समाने की पूरी कोशिश करें।

अन्धानुकरण न करें- डेटिंग के दौरान अपनी सहयोगी के पदचिह्नों पर हमेशा चलना ठीक नहीं होता। उदाहरण के लिए यदि आप रेस्टोरेंट में बैठें हों तो अपनी गर्लफ्रेंड के कहने पर ही उठना जरूरी नहीं है। आपको कब उठना है और कब चलना है, इसके लिए अपने विवेक का प्रयोग करें।

अन्य महिलाओं की चर्चा न करें- डेटिंग के दौरान अपनी गर्लफ्रेंड के सामने किसी अन्य महिला का जिक्र न करें। इसके अलावा जब आप डेटिंग पर हों तो अन्य किसी महिला की ओर न देखें। यदि आप ऐसा करंगे तो आपकी सहयोगी आपको फ्लर्टी समझेगी। महिलाएं अपने सामने किसी दूसरी महिला की प्रशंसा भी पसंद नहीं करतीं, इसलिए अपनी डेटिंग को यादगार बनाने के लिए इन सबसे बचें।

पहले स्वयं न जाएं- डेटिंग में अपना वक्त गुजारने के बाद जब विदा लेने का समय आ जाए तो इसकी शुरूआत आप न करें। प्रतीक्षा करें कि आपकी सहयोगी डेटिंग खत्म करने की बात कहे। कुछ महिलाओं के साथ पुरूष सहज महसूस करते हैं और वे चाहते हैं कि उनके बीच बातचीत इसी तरह चलती रहे। जबकि कुछ पुरूष डेटिंग के दौरान असहज हो जाते हैं और वे डेटिंग खत्म करने की सोचने लगते हैं। यदि आप डेटिंग समाप्त करने की बात करेंगे तो आपकी साथी को लगेगा कि आप उन्हें गंभीरता से नहीं ले रहें हैं।

जल्दबाजी न करें- संबंधों को विकसित होने में पर्याप्त समय लगता है। कुछ पुरूष डेटिंग की शुरूआत में ही अपने संबंधों को चरम पर ले जाना चाहते हैं। वह पहली डेटिंग में ही अपनी सहयोगी को किस करना चाहते है और शीघ्र ही सेक्स संबंध भी स्थापित करना चाहते हैं। इस प्रकार की जल्दबाजी से बचना चाहिए।

कहीं दवा तो नहीं बीमारी की वजह!

अगर आप डायबीटीज और हाई ब्लड प्रेशर की दवाएं ले रहे हैं और आपको लगातार खांसी रहती है, तो सबसे पहले अपने फिजिशियन से संपर्क करें। आपकी दिक्कतों की वजह दवाएं भी हो सकती हैं। डॉक्टरों का मानना है कि कई नई दवाओं से कुछ लोगों में इस तरह के साइड इफेक्ट नजर आ रहे हैं। लेकिन जानकारी की कमी की वजह से लोग तरह-तरह के टेस्ट और दवाओं के चक्कर में पड़ जाते हैं। कई मरीज तो टीबी तक का इलाज कराना शुरू कर देते हैं।

दिल्ली डायबीटीज रिसर्च सेंटर के अध्यक्ष डॉ. अशोक झिंगन कहते हैं कि हमारे पास ऐसे बहुत सारे मरीज आए हैं जो तीन-तीन महीने से परेशान थे। पचासों तरह के टेस्ट और तमाम बीमारियों की दवाएं खा चुके थे, मगर कोई फायदा नहीं हुआ। स्टेरॉयड देने से कई लोगों में डायबीटीज और बीपी की समस्या और बढ़ गई थी, तो कई मरीज अस्थमा या टीबी का इलाज शुरू कर चुके थे, जबकि इसकी वजह बीपी की कार्डिस, टेल्मा, एसी इनेवीटर और शुगर की गेल्वस और जिनोविया ग्रुप की दवाएं जिम्मेदार थीं। डायबीटीज के करीब 80 पर्सेंट मरीजों को बीपी की भी समस्या होती है और डायबीटीज के करीब 40 पर्सेंट मरीजों में इन दवाओं के साइड इफेक्ट देखे जा रहे हैं। हालांकि, दवा बदलने के 48 घंटों के अंदर ही दिक्कतें दूर हो जाती हैं। उनका कहना है कि ये दवाएं काफी असरदार हैं, मगर सारे मरीजों के लिए सही नहीं हैं। इनमें से कुछ से सूखी, तो कुछ से कफ वाली खांसी हो रही है। शाम और रात के समय परेशानी काफी ज्यादा बढ़ जाती है, जिसके चलते मरीज का सोना मुश्किल हो जाता है। इंडियन हार्ट फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. आर. एन. कालरा कहते हैं कि अगर किसी को ये दिक्कतें आती हैं, तो अपने फिजिशियन की सलाह से तुरंत दवाएं बदल दें, क्योंकि बीपी और डायबीटीज के लिए 10 से भी ज्यादा ग्रुप की दवाओं के विकल्प मौजूद हैं। गंगाराम हॉस्पिटल के सीनियर हार्ट स्पेशलिस्ट डॉ. आर. के. मंत्री के मुताबिक, यहां के मरीजों पर कई दवाओं के साइड इफेक्ट्स स्पष्ट रूप से दिख रहे हैं। ऐसे में, इनके इस्तेमाल को लेकर सतर्क रहना चाहिए।

सही तरीके से करें मालिश

सामान्यत: बच्चे के जन्म के पहले हफ्ते के बाद से ही मालिश आरंभ कर देनी चाहिए। यह मालिश कम से कम 18 माह तक जारी रखनी चाहिए।

अगर आपका बच्चा ज्यादा कमजोर है तो आप उसकी मालिश तीन-चार साल तक भी कर सकते है। जिससे उसका शरीर हष्ट-पुष्ट होगा।

सुबह एक बार बच्चे को नहलाने से पहले तथा शाम को उसके सोने से पहले मालिश करनी चाहिए।

मालिश से बच्चे के शरीर की थकी हुई माँसपेशियों को आराम मिलता है।

मालिश बच्चों को कई तकलीफों जैसे पसलियों का दर्द, थकान आदि से फायदा पहुँचाती है। इससे रक्त संचार बढ़ता है और बच्चे के शरीर का विकास तेजी से होता है।

घर में अगर नानी-दादी हों तो वे बच्चों की हर रोज मालिश करने की सलाह देती हैं। इससे बच्चे का शरीर मजबूत बनता है लेकिन आजकल की महिलाएँ तो बच्चों के थोड़ा-सा भी रोने पर घबरा जाती हैं व तरह-तरह की चिंताएँ करने लगती हैं। मालिश से बच्चे को कोई नुकसान नहीं होता पर इसके लिए आवश्यक है कि मालिश सही तरीके से की जाए।

सेल्फ कांफिडेंस सेहत का आधार

आत्म विश्वास सेहत और सफलता का आधार है। कमजोर आत्म विश्वास से बहुत सारी शारीरिक और मानसिक बीमारियों का जन्म होता है। आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए शरीर और मन में स्वस्थ्य अनुभव करना जरूरी है। आत्म विश्वास बढ़ाने के लिए कुछ योगा टिप्स।

मौन : योग में कहा गया है कि मौन से मन की शक्ति का विकास होता है। देखने और समझने की क्षमता बढ़ती है और संयम का जन्म होता है। दिन के 12 घंटे में सिर्फ एक घंटे के लिए मन के भीतर की प्रत्येक गतिविधि को रोक दें।

ध्यान : ध्यान का अभ्यास बहुत जरूरी है। यह मौन रहने में सहायक सिद्ध हो सकता है। यह अभ्यास प्रतिदिन कम से कम 10 मिनट के लिए अवश्य करना चाहिए। ध्यान आपके भीतर आंतरिक शक्ति का विकास करता है साथ ही यह शरीर के संताप को कम कर रोगों से लड़ने की शक्ति को बढ़ाता है। इससे आपके भीतर का विजन पॉवर बढ़ता है।

प्राणायाम : प्राणायाम में तीन-चार आवर्तक भस्त्रिका कुम्भक करना चाहिए। अनुलोम-विलोम कुम्भक के साथ 1:2:4 के अनुपात में करना चाहिए। प्राणायाम से शरीर को भरपूर ऑक्सिजन मिलती है जो सेल्फ कांफिडेंस बढ़ाने के लिए जरूरी है।

योगनिद्रा : आत्मविश्वास बनाए रखने के लिए 7 से 8 घंटे तक सोना आवश्यक है। यदि किसी चिंता के कारण नींद नहीं आ रही है तो योग निद्रा का अभ्यास करें।

योगासन : योगासन में ताड़ासन (आँखें बंद करके), संतुलित त्रिकोणासन, हनुमानासन, मेरुदंडासन, उत्कटासन, गरुड़ासन, बकासन, मयूरासन, उत्थितपद्मासन, पद्म मयूरासन, पद्म बकासन, धनुरासन, सर्वांगासन और चक्रासन का अभ्यास किसी योग प्रशिक्षक के सानिध्य में करना चाहिए।

इसके लाभ : उक्त सभी योगा टिप्स से आपके भीतर आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति बढ़ाने लगेगी। आत्मशक्ति के बल पर आप किसी भी कार्य में तो सफल रहेंगे ही साथ ही आपका व्यवहार भी संतुलित रहेगा। आत्म विश्वास से शरीर में प्रतिरोधक क्षमता का विकास भी होता है।

ऐसे रहें चिर युवा

एजिंग एक नेचुरल प्रोसेस है, लेकिन अच्छे फूड से, जिसमें एंटी ऑक्सीडेंट हों, आप उम्र के असर को थोड़ा डिले जरूर कर सकती हैं। उम्र का बढ़ना एक सहज प्रक्रिया है और समय के साथ-साथ इसका असर आपके चेहरे पर दिखाई देने ही लगता है। उम्र को आप बढ़ने से रोक नहीं सकते, लेकिन इस बात के प्रमाण मिले हैं कि आप एजिंग को डिले अवश्य कर सकते हैं। खासतौर पर ऐसे भोजन से, जिसमें एंटी ऑक्सीडेंट भरपूर मात्र में हो। यहां हम आपको ऐसे ही कुछ भोजन के बारे में बता रहे हैं, जिसको खाने से आप दिल की बीमारियों, हाइपर टेंशन और कैंसर जैसी बीमारियों से बच सकते हैं।

एंटी ऑक्सीडेंट रिच फूड

डार्क चॉकलेट : इसमें मौजूद कोको फ्री रेडिकल्स को प्रभावहीन बनाता है और ब्लड वैसल्स को आराम पहुंचाता है। साथ ही इससे ब्लड प्रेशर भी ठीक रहता है।

ओमेगा 3 रिच फिश : सैल्मॉन, मैक्रोल व टूना मछलियों में रिच ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है, जो कोलेस्ट्रॉल को बढ़ने से रोकता है और हार्ट ब्लॉकेड को रोकता है।

बादाम : ये अनसेचुरेटेड फेट्स का बेहतरीन स्रोत है और साथ ही इनमें हाइपर टैंशन से लड़ने की भी क्षमता होती है।

फ्रैश फिग्स : अंजीर में एंटी ऑक्सीडेंट्स, बी कॉम्पलेक्स विटामिन्स, आयरन और मैग्नीज की भरपूर मात्र होती है। इससे अनीमिया और थकान जैसी चीजें दूर रहती हैं।

आंवला : आंवले को विटामिन सी का सबसे अच्छा स्त्रोत माना जाता है।

कुछ पौष्टिक टिप्स

1. तला हुआ, मिर्च मसालों वाला भोजन कम खाएं और शुगर वाली चीजों में भी कमी करें।
2. फल, सब्जियां, अनाज और फलियां, गैर वसा वाला दूध तथा बिना चर्बी वाला मीट (जैसे मछली) खायें।
3. हर रोज कम से कम दस गिलास पानी पियें।
4. हरी सब्जियां खूब खायें और अदरक, लहसुन व प्याज खाएं।
5. पीले, संतरी और लाल रंग के फल और सब्जियां ज्यादा खाएं, जैसे टमाटर, गाजर, आम और संतरे।

लखनऊमें ताज के शेफ बनाएंगे राष्ट्रपति का खाना सुबह की सैर की नहीं होगी दिक्कत

क्रांति समय संवाददाता

लखनऊ ,राष्ट्रपति के आगमन से ठीक पहले उनके भोजन की व्यवस्था का जिम्मा ताज होटल के शेफ को दिया गया है। पहले तय हुआ था कि राजभवन के मेस में ही राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का भोजन बनाया जाएगा। अंतिम समय विचार विमर्श

के बाद यह जिम्मेदारी निजी होटल की कैटरिंग सेवा को सौंपने का निर्णय लिया गया। वैसे राष्ट्रपति को सादा भोजन ही पसंद है। राष्ट्रपति के लिए कानपुर में भी वहां के एक निजी होटल की कैटरिंग सेवा को नाश्ते से लेकर भोजन तक की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी दी गई थी। उनके भोजन का मेन्यू क्या होगा यह राष्ट्रपति भवन की टीम पहले ही तय कर चुकी है। बनाने से लेकर परोसने का कार्य ताज करेगा। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रपति के भोजन में विशेष रूप से अरहर की दाल, फुल्के, पालक पनीर और करेले की सब्जी को रखा गया है। इसके अलावा देसी गाय का दूध वह नाश्ते में लेंगे। भोजन में गाय के दूध की केसरिया खीर को भी शामिल किया जा सकता है। उनके भोजन की जांच एफएसडीए यानी खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम करेगी। अभी तक 15 फूड सेफ्टी अफसरों को इस कार्य के लिए तैनात किया गया है। राजभवन में शाम को होने वाले विशेष कार्यक्रम में भी चाय-नाश्ते का प्रबंध ताज की कैटरिंग सेवा ही करेगी। राष्ट्रपति कोविंद सुबह की सैर करने के साथ योग और ध्यान भी करते हैं। कानपुर में सुरक्षा कारणों की वजह से उनकी सुबह की सैर नहीं हो पाई। राजधानी में यह दिक्कत नहीं आने वाली है। इसकी वजह यह है कि राष्ट्रपति राजभवन में रूक रहे हैं। राजभवन की सुरक्षा पहले से ही चाक चौबस्त है। राष्ट्रपति के आगमन को ध्यान में रखते हुए उसे और बढ़ा दिया गया है। राजभवन के गार्डेन में राष्ट्रपति सुबह की सैर करेंगे।

स्वदेशी ऐप कू पर भी सीएम योगी का जलवा

लखनऊ,उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता सोशल मीडिया पर दिन प्रतिदिन तेजी से बढ़ती जा रही है। आज स्वदेशी ऐप कू पर उनकी फालोअर की संख्या वन मिलियन पहुंच गई है। योगी आदित्यनाथ का अकाउंट कू पर फरवरी 2021 में खुला था। लेकिन 4 महीने में 10 लाख फॉलोअर्स हो गए। उधर ट्विटर पर भी योगी आदित्यनाथ अखिलेश यादव से कई साल बाद आने के बाद भी फॉलोवर्स की संख्या में उनसे काफी आगे निकल गए हैं। अखिलेश यादव ट्विटर पर जुलाई 2009 में ही आ गए थे जबकि योगी आदित्यनाथ सितंबर 2015 में ट्विटर पर आए। फिलहाल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ट्विटर पर अखिलेश यादव से 47000 फॉलोअर्स आगे हैं।

बाइक सवार बदमाशों ने बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व उपाध्यक्ष को मारी गोली

बरेली,बरेली के पुराना शहर में बाइक सवार पांच हमलावरों ने भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व उपाध्यक्ष पर हमला कर उन्हें गोली मार दी। घायल भाजपा नेता को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना बारादरी में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों ने बीते दिनों इन्हें और प्रदेश के मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी दी थी। बारादरी रोहली टोला निवासी शारिक भाजपा के पूर्व उपाध्यक्ष है। शारिक की पत्नी फिजा ने बताया कि आये दिन शारिक को धमकी मिलती रहती है। उनकी ओर से कई बार वरिष्ठ पुलिस अधकारियों से शिकायत की जा चुकी है। रविवार शाम को शारिक उनकी व अपनी मां शहनाज की गोटिया से दवा लेकर आये थे। जिसके बाद मां और पत्नी के कहने पर शारिक दोनों को दरगाह की जियारत कराने स्कूटी से बुखार शाह मियां के दरगाह ले गये थे। जहां पर शहनाज और फिजा दरगाह के अंदर चली गईं। शारिक बाहर थे और इसी दौरान अचानक एक बदमाश ने फायर कर दिया। गोली उनके दाहिने हाथ को छूते हुये निकल गई। वहीं शारिक जमीन पर गिर गये। जिसके बाद आस पास मौजूद लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। फिजा के मुताबिक पांच आरोपी दो बाइक पर सवार थे।

आरोपियों में मदीना शाह निवासी काशिफ व उसके भाई नदीम को फिजा ने पहचाना है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में 72120 गर्भवती महिलाओं को मिला फायदा

क्रांति समय संवाददाता

अलीगढ़ ,जनपद में पहली बार गर्भवती व स्तनपान कराने वाली महिलाओं को उचित खानपान व पोषण के लिए मिलेगा तीन किश्तों में 5000 का आर्थिक सहायता उपलब्ध कराए जाने की तैयारी की गई, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत निःशुल्क उपचार पर की जा रही है। आप पहली बार गर्भवती हुई तो घबराने की जरूरत नहीं है। सरकार आप के खान-पान का खुद ही ध्यान रख रही है। इसके लिए महिलाओं को तीन किश्तों पांच हजार रूपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई जा रही है। पीएमएमवीवाई कार्यक्रम के नोडल अधिकारी व अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसपी सिंह ने बताया कि जिले में अभी तक 72120 गर्भवती महिलाओं को फायदा दिया गया। सीएमओ डॉ. बीपी सिंह कल्याणी ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गर्भवती के बेहतर स्वास्थ्य देखभाल के लिए केंद्र सरकार की अति महत्वकांक्षी प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ जनपद की महिलाएं उठा रही हैं जनपद में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ अधिकाधिक गर्भवती को दिलाने के लिए स्वास्थ्य

विभाग हर स्तर से प्रयास कर रहा है। यह योजना जिले में 1 जनवरी 2017 से संचालित की जा रही है।

महिलाओं को ऐसे मिलेगा लाभ

वैश्विक महामारी कोरोना काल में महिलाओं को इस लाभ से बहुत राहत मिली। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर एसपी सिंह ने बताया कि पहली बार बनी गर्भवती महिलाओं को तीन किस्तों में मिलता है लाभ, इस योजना के अंतर्गत प्रथम बार गर्भवती होने पर महिलाओं को उनके खाते में सरकार द्वारा 5000 तीन किस्तों में भुगतान कर रही है। इस योजना के तहत पहली बार गर्भधारण करने वाली महिला को गर्भधारण के बाद रजिस्ट्रेशन करने पर प्रथम किश्त के रूप में 1000 व दूसरी किस्त गर्भवती महिलाओं को अपनी प्रसव पूर्व जांच हो जाने पर 2000 व तीसरी किस्त प्रसव के उपरांत बच्चे को सभी टीके लग जाने के साथ ही 2000 दिए जाते हैं।

जिला कार्यक्रम समन्वयक गीतू हरकुट ने बताया कि हेल्पलाइन पर संपर्क कर योजना का लाभ पाएं, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ लेने के लिए प्रथम बार गर्भधारण करने वाली पात्र महिला लाभार्थी क्षेत्रीय आशा से संपर्क करें और योजना का लाभ उठाएं ।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का उद्देश्य गर्भावस्था प्रसव और स्तनपान के दौरान महिलाओं को जागरूक करना और जच्चा-बच्चा देखभाल व संस्थागत सेवा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं को पहले छह महीनों के लिए प्रारंभिक और विशेष स्तनपान तथा पोषण प्रथाओं का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करना है ।

बार कौंसिल से पांच लाख की आई सहायता राशि की किस्त

क्रांति समय संवाददाता

हाथरस,बार कौंसिल से आयी सहायता राशि की वितरण की व्यवस्था का आज ऐल्डर कमेटी ने जायजा लेकर डिस्ट्रिक्ट बार को दिशा-निर्देश दिये। जबकि बैठक में एडवोकेट आर्गेनाइजेश ने भी सहभागिता की।

डिस्ट्रिक्ट बार हॉल में ऐल्डर कमेटी प्रमुख व वरिष्ठ अधिवक्ता लक्ष्मीनारायण शर्मा की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें ऐल्डर मैम्बर चंद्रपाल शर्मा व जालिम सिंह भी मौजूद थे। इस मौके पर अध्यक्ष डिस्ट्रिक्ट बार वीरेश कुमार श्रोती ने बताया कि कोरोना महामारी काल में बतौर सहायता बार कौंसिल से पूरे जिले के लिए पांच लाख की किश्त आई थी। जिसके लिए जिले के अधिवक्ताओं से सहायता फार्म आमंत्रित किये गए थे। सबसे पहले 55 और फिर 22 फार्म बार को प्राप्त हुए थे। जिनको प्रति अधिवक्ता दो हजार रूपये के हिसाब से उनके बैंक खातों में ट्रांसफर

कर दिया गया है। जबकि सचिव हितेन्द्र कुमार गुड्डू ने बताया कि अभी 65 फार्म बार को और प्राप्त हुए हैं उनका भी सत्यापन कर लिया गया है और उनके बैंक खातों में भी पैसा ट्रांसफर कर दिया जायेगा। तीनों ही ऐल्डर मैम्बरों ने वितरण व्यवस्था पर संतुष्टी जताई है। संचालन हितेंद्र कुमार गुड्डू ने किया व अंत में इंटरनेशनल एडवोकेट आर्गेनाइजेशन के जिला अध्यक्ष त्रिलोकी शर्मा ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता लक्ष्मीनारायण शर्मा के अलावा चंद्रपाल शर्मा, राकेश शर्मा, अध्यक्ष वीरेश कुमार श्रोती, बालष्ण यादव, रामनिवास शर्मा, हितेंद्र सिंह गुड्डू, त्रिलोकी शर्मा एडवोकेट आदि उपस्थित थे।

पेट्रोल पम्प कर्मचारी से दिनदहाड़े लाखों की लूट:हडकम्प

क्रांति समय संवाददाता

सादाबाद, कोतवाली क्षेत्र के गांव कजरोठी के निकट आज दिनदहाड़े बाइक सवार अज्ञात बदमाश एक पेट्रोल पंप कर्मचारी से लाखों रुपए की रकम का बैग लूटकर ले गए। दिनदहाड़े लूट की घटना से पूरे क्षेत्र में भारी हड़कंप एवं खलबली मच गई है और लूट की खबर पाकर मौके पर तत्काल पुलिस अधिकारी पहुंच गए और घटना की छानबीन में जुट गए। इसके साथ ही बदमाशों की धरपकड़ हेतु तत्काल प्रभाव से पुलिस टीमों को लगा दिया गया है।

बताते हैं कोतवाली क्षेत्र के गांव कजरोठी स्थित पेट्रोल पंप षक सेवा केंद्र का एक कर्मचारी देवीचरण निवासी ऊंचा गांव आज पेट्रोल पंप से बिक्री के रुपयों को लेकर बैंक में जमा करने के लिए बाइक पर सवार होकर जा रहा था और वह जैसे ही पेट्रोल पंप से लाखों रुपए की रकम को लेकर निकला तो तभी उसके पीछे अज्ञात बदमाश लग गये और बदमाशों ने उसकी बाइक को लात मारकर गिरा दिया और उससे तीन लाख रुपयों से भरा बैग लूट कर ले गए।

उक्तदिनदहाड़े लूट की घटना की खबर से पूरे क्षेत्र में भारी हड़कंप एवं खलबली मच गई और घटना की सूचना तत्काल कोतवाली पुलिस को दी गई जिस पर मौके पर तत्काल सीओ ब्रह्म सिंह, कोतवाली प्रभारी डीके सिसोदिया दलबल सहित पहुंच गए और पुलिस ने घटना की छानबीन करते हुए तत्काल प्रभाव से बदमाशों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों को लगा दिया गया है।

उक्त संबंध में पुलिस का कहना है कि थाना सादाबाद क्षेत्र के ग्राम कजरौठी के समीप घटित घटना थाना सादाबाद पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि थाना क्षेत्र के ग्राम कजरौठी के समीप देवीचरन पुत्र कन्हैयालाल निवासी ऊंचा गांव जो पेट्रोल पम्प पर काम करता है।

वह आज पेट्रोल पम्प से रूपये लेकर अपनी मोटर साईकिल से बैंक में रूपये जमा करने जा रहे थे तभी रास्ते में एक काले रंग की बुलेट मोटर साईकिल पर सवार दो व्यक्तियों द्वारा उनकी मोटर साईकिल में पीछे से लात मारकर गिरा दिया तथा रूपयों से भरा बैग छीन कर भाग गये। सूचना पर तत्काल क्षेत्राधिकारी सादाबाद व थाना सादाबाद पुलिस द्वारा घटना स्थल पर पहुँचकर घटना के बारे में जानकारी की गई।

वादी से घटना के सम्बंध में तहरीर प्राप्त कर थाना सादाबाद परं अभियोग पंजीत किया जा रहा है।

घटना के शीघ्र खुलासा एवं बदमाशों की गिरफ्तारी हेतु टीमें गठित कर दी गई हैं। शीघ्र ही घटना का खुलासा किया जायेगा।

वनरक्षक ने वन माफिया पर लगाया विभाग के बेशकीमती पेड़ों व लकड़ियों पर कब्जा करने का आरोप मामला दर्ज

क्रांति समय संवाददाता

ललितपुर,जहां एक ओर जंगल में कई बार वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रमों के अलावा समय-समय पर वृक्षों का रोपण कर पर्यावरण को साफ और शुद्ध बनाने में अहम योगदान दे रहा है। लेकिन वहीं दूसरी ओर कुछ वन माफिया किस्म के लोग वन विभाग की लकड़ियों को काटकर पर्यावरण को क्षति पहुंचा रहे हैं साथ ही वन विभाग की जमीन पर अवैध कब्जा कर वन विभाग द्वारा लगाये गई बेशकीमती पेड़ों पर भी कब्जा कर लेते हैं।हालांकि ऐसा मामला संज्ञान में आने पर वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा ऐसे दबंगों पर मामले भी पंजीकृत कराए जाते हैं। ऐसे ही एक मामले में वन विभाग के एक बीट प्रभारी ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर वन विभाग की लकड़ियों और बेशकीमती सागौन के पेड़ों पर कब्जा करने पर करीब आधा दर्जन दबंगों पर मामला पंजीकृत कराया है। हाल ही में ताजा मामला वन्य जीव बिहार देवगढ़ के आसपास के वन क्षेत्र का है।मिली जानकारी के अनुसार महावीर स्वामी वन्य जीव विहार देवगढ़ में तैनात वनरक्षक सुदेश कुमार सिंह ने थाना जाखलौन पुलिस को शिकायत ही पत्र देकर अवगत कराया कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कुचदों निवासी दबंग किस्म के जग भान सिंह यादव पुत्र रोशन सिंह यादव के साथ पांच अन्य लोगों ने मिलकर एक राय होकर वन विभाग की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर विभाग द्वारा लगाए गए

सार-समाचार

सोनभद्र में नवजात को जिंदा दफन कर रहा था अधेड़, लोगों को देख हुआ फरार

क्रांति समय संवाददाता

सोनभद्र।'जाको राखे साइयां, मार सके न कोई' की कहावत रविवार की देर शाम को सोनभद्र जनपद के अनपरा में चरितार्थ हो गई। रेनुसागर चौकी परिक्षेत्र के रेनुसागर मोड़ श्मशान घाट के पास एक अधेड़ नवजात को जिंदा दफना रहा था, तभी बच्चे के रोने और आसपास से लोगों की नजर पड़ने से अधेड़ शिशु को छोड़कर फरार हो गया।

महिला सुनीता ने नवजात शिशु को गड्ढे से बाहर निकाल किया साफ, पहुंचाया अस्पताल

नवजात के रोने की आवाज सुन मजदूर महिला सुनीता देवी को अपने पास आते देख अधेड़ शिशु को छोड़कर फरार हो गया। सुनीता ने नवजात शिशु को गड्ढे से बाहर निकाल साफ सुथरा किया। मामले की जानकारी होते ही बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। इस बीच पुलिस को भी सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे अनपरा कोतवाल विजय प्रताप सिंह ने शिशु को तत्काल स्थानीय चिकित्सालय पहुंचाया।

कोतवाल विजय प्रताप सिंह ने बताया कि लोगों द्वारा बताए गए हुलिया के आधार पर अधेड़ की तलाश की जा रही। शिशु का स्वास्थ्य थोड़ा ख़राब है, जिसका इलाज चल रहा है। आगे विधिक की कार्रवाई की जाएगी। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है। अभी तक कोख में लड़कियों के मारने की खबरें सुर्खियां बनती थी, लेकिन इस घटना में तो शिशु एक सप्ताह का नवजात लड़का है।

संदिग्ध हालत में मिली नौजवान बेटे की लाश तीन महीने पहले ही विदेश से लौटा था वापिस

बटाला,बटाला के काहनूंवान रोड पर कार में एक नौजवान की संदिग्ध हालत में लाश मिली है। इससे इलाके में सनसनी फैल गई है। सूचना पर घटना स्थल पर पहुंची पुलिस की जांच में मृतक की पहचान बलजिन्दर सिंह पुत्र जगतार सिंह निवासी काहनूंवान रोड बटाला से हुई है।

इस घटना के संबंध में मृतक बलजिन्दर सिंह की माता दविन्दर कौर ने बताया कि उसका पुत्र साउदी अरब में ट्राला चलाने का काम करता है। उन्होंने बताया कि बलजिन्दर सिंह तीन महीने पहले ही पंजाब आया था। बलजिन्दर सिंह गांव के ही एक लड़के के साथ अपनी स्विफ्ट कार में बटाला में गाड़ी देखने गया था। उन्होंने बताया कि दोपहर के समय उनको पुलिस का फ़ोन आया कि उनके लड़के की मौत हो गई है। इस संबंध में थाना सिटी की एसएचओ खुशबीर कौर ने कहा कि पुलिस को कुछ लोगों ने सूचना दी कि काहनूंवान रोड पर एक कार में नौजवान बेहोशी की हालत में है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जब गाड़ी को खोल कर देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया है।

डकैतों ने घर में घुसकर बरसाई गोलियां पिता-बेटों की मौत

गाजियाबाद,गाजियाबाद के लोनी के मेन बाजार में बदमाशों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। डकैती करने के लिए घर में घुसे बदमाशों ने एक ही परिवार के चार सदस्यों को गोली मार दी। इसमें तीन की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरूकर दी है। मिली जानकारी के अनुसार लोनी के मेन बाजार में रियाज कपड़े वाले के यहां बदमाश डकैती के इरादे से पहुंचे। इस दौरान उन्होंने 70 साल के रईसुद्दीन, उनके 30 के बेटे अजहर और 28 साल के बेटे इमरान की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके अलावा रईसुद्दीन की 65 साल की पत्नी फातिमा को भी गोली मारी। उन्हें गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घर से बदमाश क्या ले गए हैं इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। मौके पर पहुंची पुलिस जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि देर रात कपड़ा व्यापारी रियाजुद्दीन के घर में घुसे बदमाशों ने डकैती को अंजाम दिया। विरोध करने पर उन्होंने माता-पिता सहित दो बेटों को गोली मार दी। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं रियाजुद्दीन की पत्नी की हालत गंभीर है।

एक साल पहले मिली लावारिश शव की हुई शिनाख्त

मैनपुरी,भोगांव , करीब एक वर्ष पूर्व थाना क्षेत्र में एक युवक का शव बरामद हुआ था। पहचान न होने के चलते 72 घंटे बाद पुलिस ने अंतिम संस्कार करा दिया। रविवार को हाथरस से आए एक परिवार ने कपड़ों से पहचान की। बताया कि सासनी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

जनपद हाथरस के थाना सासनी क्षेत्र के गांव अजरोही निवासी प्रमोद कुमार रविवार को थाने पहुंचे। उनके साथ परिवार के प्रभाकर चौधरी, जगवीर सिंह, राज कुमार सिंह, सतेंद्र सिंह, बृजराज सिंह, समेंद्र सिंह भी थे। उन्होंने करीब एक वर्ष पूर्व थाना क्षेत्र में मिले एक युवक के शव की शिनाख्त की बात कही। इसके बाद पुलिस ने शव से बरामद हुए कपड़े आदि उन्हें दिखाए। कपड़े देखने के बाद प्रमोद ने बताया कि यह कपड़े उनके 36 वर्षीय भाई पवन कुमार के हैं। करीब एक साल तीन माह पूर्व भाई लापता हो गया

आम आदमी पार्टी की दो महिला समेत चार नगर पार्षद गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

सूरत,शहर की लालगेट पुलिस ने आज आम आदमी पार्टी (आप) की दो महिला समेत 4 नगर पार्षदों को गिरफ्तार कर लिया। सूरत महानगर पालिका संचालित नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के सदस्यों के चुनाव के दौरान विपक्ष के नेता समेत नगर पार्षदों ने सरदार भवन में भारी तोड़फोड़ की थी। इस संदर्भ में महानगर पालिका के सुरक्षा निरीक्षक की ओर से आप के दो उम्मीदवार और 27 नगर पार्षदों समेत 29 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। जिसके आधार पर पुलिस ने आज चार नगर पार्षदों को गिरफ्तार कर लिया। दरअसल हाल ही में महानगर पालिका संचालित नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के सदस्यों के चुनाव में आप के उम्मीदवार रमेश परमारऔर राकेश हीरपरा में से रमेश परमार की हार हुई थी। जिससे आप के नगर पार्षदों ने महापौर के समक्ष पुनर्मतगणा की मांग की थी। जिसे महापौर द्वारा खारिज किए जाने पर आप के नगर पार्षदों ने काफी बवाल काटा। पालिका के सरदार भावन में काफी तोड़फोड़ किए जाने से डेमेज टू पब्लिक प्रोपर्टी एक्ट और आईपीसीकी दफा 504, 506, 323 के तहत सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई गई थी। यह रिपोर्ट महानगर पालिका के वॉच एन्ड वार्ड विभाग में कार्यरत

सुरक्षा निरीक्षक शैलेष पटेल ने विपक्ष के नेता सभी 29 आरोपियों के खिलाफ शुक्रवार को दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट दर्ज करने के बाद हरकत में आई पुलिस ने आज विपक्ष के नेता धर्मेश भंडारी समेत सभी पार्षदों को गिरफ्तारी की कवायद तेज कर दी। इसके अंतर्गत आज पुलिस ने पायल किशोरभाई साकरिया, सोनल संजयभाई सुहागिया, अशोक करशनभाई धामी और धर्मेन्द्र छगनभाई वावलिया समेत आप के चार नगर पार्षदों को गिरफ्तार कर लिया।

आत्मा सोलंकी	मनीषा कुकड़िया
मोनाली हिरपरा	किरण खोखानी
अल्पेश पटेल	अशोक धामी
राजू मोर्दिया	दीप्ति सांकलिया
रितु दुग्धरा	डॉ किशोर रुपेलिया
सोनल सुहागिया	ज्योति लठिया
कानू गड़िया	पायल सकारिया
महेश अनाघानी	शोभना केवड़िया
कुंदन कोठिया	जीतू कच्छड़िया
सेजल मालवीय	विपुल मौलिया
घनश्याम मकवाना	रचना हिरपरा
धर्मेंद्र वावलिया	स्वाति धोलारिया
निराली पटेल	विपुल सुहागिया

आंगनवाड़ियों के 14 लाख से अधिक बच्चों को आज गणवेश वितरित करेंगे मुख्यमंत्री

क्रांति समय दैनिक

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की अध्यक्षता में राज्य की 53 हजार से अधिक आंगनवाड़ी के 14 लाख से अधिक बच्चों को गणवेश वितरण का राज्यस्तरीय डिजिटल कार्यक्रम मंगलवार, 29 जून की सुबह साढ़े दस बजे गांधीनगर में आयोजित होगा जबकि अन्य महानुभाव संबंधित जिला मुख्यालयों में मौजूद रहेंगे। जानकारी के अनुसार राज्यस्तरीय कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास मंत्री गणपतसिंह वसावा तथा राज्य मंत्री विभावरीबेन दवे की प्रेरक उपस्थिति में आयोजित होगा। महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव और आयुक्त के.के. निराला स्वागत भाषण देंगे तथा समेकित बाल विकास सेवा योजना (आईसीडीएस) के निदेशक डी.एन. मोदी आभार व्यक्त करेंगे। गांधीनगर में आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय कार्यक्रम सहित सभी जिलों एवं महानगरों में मंत्रियों और महानुभावों की उपस्थिति में कोविड-19 के प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए कार्यक्रम आयोजित होंगे। महिला एवं बाल विकास विभाग की जानकारी के अनुसार इस मौके पर महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से गत गांधी जयंती-2020 के अवसर पर आयोजित हैंड वॉशिंग कार्यक्रम के अंतर्गत एक साथ पांच लाख लोगों द्वारा हैंडवॉश कर बनाए गए रिकॉर्ड के लिए वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड, लंदन की ओर से प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

ईंधन की बढ़ती कीमतों का अनोखा विरोध, वंदे मातरम बोलो और एक लीटर पेट्रोल मुफ्त पाओ

क्रांति समय दैनिक

वडोदरा,गुजरात समेत देशभर में पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम आदमी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ईंधन की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर वडोदरा की टीम रिवॉल्युशन संस्था ने विरोध का अनोखा तरीका अपनाया। वडोदरा के सुभानपुरा के हाईटेंशन रोड स्थित पेट्रोल पंप पर आज भगवा पटका पहनकर आए भाजपा के कार्यकर्ता, नेताओं समेत सामान्य नागरिकों को मुफ्त में एक लीटर पेट्रोल बांटा गया। मुफ्त पेट्रोल पाने के लिए भाजपा के कार्यकर्ता और नेताओं के लिए भाजपा का पटका, स्टीकर या कार्ड होना अनिवार्य था। प्रति लीटर 100 रुपए के करीब पहुंच चुके पेट्रोल मुफ्त में पाने के लिए दुपहिया वाहन चालकों की लंबी कतार लग गई। जिसमें कई भाजपा कार्यकर्ता और नेता भी शामिल थे। वंदे मातरम और भारत माता की जय बोलने वाले को एक लीटर मुफ्त पेट्रोल बांटा गया। टीम रिवॉल्युशन संस्था के सेजल व्यास ने बताया कि भाजपा जब सत्ता में नहीं थी, तब ईंधन की कीमत में एक रुपए बढ़ता तो सड़क पर उतरकर विरोध करती थी। लेकिन आज भाजपा सत्ता पर काबिज है और पेट्रोल की कीमत प्रति लीटर रु 95 पर पहुंच गई, इसके बावजूद कोई विरोध नहीं कर रही। उन्होंने कहा कि विपक्ष इतना कमजोर हो चुका है कि वह भी पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों का विरोध नहीं कर रहा। पेट्रोल महंगा होने से गाडियां शो पीस बनकर रह गई हैं। ऐसे में टीम रिवॉल्युशन ने वडोदरा के सुभानपुरा हाईटेंशन रोड स्थित इंडियन ऑइल के पेट्रोल पंप पर पेट्रोल की लगातार बढ़ती कीमतों के खिलाफ अनोखा विरोध प्रदर्शन किया है। जिसमें भाजपा का पटका डालकर आए लोगों को मफ्त में एक लीटर पेट्रोल बांटा गया।

सार-समाचार

ड्राइविंग लाइसंस और आरसी समेत दस्तावेजों की मान्यता 30 सितंबर तक बढ़ाई गई

राज्य के परिवहन आयुक्तकी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक ड्राइविंग लाइसंस और आरसी समेत दस्तावेजों की मान्यता 30 सितंबर 2021 तक बढ़ा दी गई है। भारत सरकार के रोड ट्रांसपोर्ट और हाईवे मंत्रालय की एडवाइजरी के मुताबिक 1 फरवरी 2020 के बाद या 30 सितंबर 2021 तक जिन दस्तावेजों की अवधि खत्म हो चुकी है, उन्हें 30 सितंबर 2021 तक एन्फोर्समेंट के लिए मान्य रखने का आदेश दिया गया है। एन्फोर्समेंट अधिकारी-कर्मचारियों को इस एडवाइजरी को ध्यान में रखते हुए एन्फोर्समेंट की कार्यवाही करने की होगी।

जमीन विवाद को लेकर तीन महिला समेत 4 लोगों का आत्महत्या का प्रयास किया

राजकोट, शहर के मालवियानगर पुलिस थाने के सामने शिवशक्तिडेयरी फार्म में आज जमीन विवाद को लेकर तीन महिला समेत चार लोगों के फिनाइल पीकर आत्महत्या करने की कोशिश से सनसनी फैल गई। मालवियानगर पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक आत्महत्या का प्रयास करने वालों ने जमीन विवाद को लेकर पुलिस आयुक्त के समक्ष अर्जी की थी। जिसमें उन्होंने कहा था कि वह 30-35 साल से गौतमनगर क्षेत्र में कच्चे-पक्के मकान बनाकर निवास कर रहे हैं। जिस जमीन पर वह रह रहे हैं उस जमीन को 30-35 साल पहले प्रति वार एक हजार रुपए में खरीदी थी। आज जमीन की कीमत प्रति वार एक लाख रुपए हो गई ह। जमीन की कीमत बढ़ने से कुछ रसूखदार लोगों ने गैरकानूनी रूप से जमीन पर कब्जा कर लिया है और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर हम लोगों को निकालने का षडयंत्र रचा है।

लोकसेवक के तौर पर मिली जिम्मेदारी को ईमानदारी से निभाकर पूरी करें लोगों की उम्मीदें- मुख्यमंत्री

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत की नई कश्मीर पॉलिसी से बौखलाया पाकिस्तान, राजनाथ ने बिना नाम लिए चीन-पाक को चेताया

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत सरकार की नए कश्मीर पॉलिसी से पाकिस्तान बौखला गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जम्मू-कश्मीर के नेताओं को लेकर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के बाद पाकिस्तान की बेचैनी बढ़ गई है। जम्मू-कश्मीर को लेकर भारत सरकार के खास सक्रियता ने पाकिस्तान द्वारा पाले गए आतंकियों की घबराहट बढ़ा दी है। यही कारण है कि जम्मू-कश्मीर के हाल के दिनों में आतंकी घटना देखने को मिल रही है। कुछ दिन पहले घाटी में एक भाजपा नेता की आतंकियों द्वारा हत्या कर दी गई थी। इसके बाद कल पाकिस्तान द्वारा जम्मू में ड्रोन हमले की कोशिश की गई। यह पाकिस्तान की बौखलाहट को साफ तौर पर दिखाता है।

पाकिस्तान द्वारा 26 जून को सीआरपीएफ काफिले पर हमला किया गया। जम्मू में ड्रोन से ऊपर हमले को लेकर अलग-अलग और नए नए खुलासे हो रहे हैं। अवंतीपुरा में पूर्व एसपीओ की हत्या की खबर मिल रही है। कहीं ना कहीं भारत सरकार द्वारा कश्मीर को लेकर किए जा रहे फैसलों ने पाकिस्तान और उसके सरपरस्तों की बेचैनी बढ़ा दी है। पाकिस्तान और उसके पाले हुए आतंकियों की बेचैनी इतनी बढ़ गई है कि वह अब आधुनिक हथियारों से भारत को निशाना बनाने में लगे हुए हैं।

दूसरी ओर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लद्दाख दौरे पर हैं। अपने दौरे के दौरान चीन को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बड़ा संदेश दिया है। साथ ही साथ उन्होंने पाकिस्तान का बिना नाम लिए उसे चेतावनी भी दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्वी लद्दाख से चीन को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि भारत ''गलवान वीरों'' के बलिदान को कभी नहीं भूलेगा और देश के सशस्त्र बल हर चुनौती का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम हैं। लद्दाख दौरे के दूसरे दिन सिंह ने पाकिस्तान का बिना नाम लिए कहा कि पड़ोसी देशों के साथ बातचीत के जरिए मुद्दों का समाधान तलाशने की कोशिश की जानी चाहिए, लेकिन साथ ही आगाह किया कि अगर कोई हमें धमकाने की कोशिश करेगा तो भारत इसे बर्दाशत नहीं करेगा।

सिंह ने कहा कि देश के लिए गलवान घाटी में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले सैनिकों के बलिदान को भारत कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना हर चुनौती का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम हैं। गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ पिछले साल 15 जून को भीषण झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। दोनों देशों के बीच पिछले कुछ दशकों में हुई यह सबसे भीषण झड़प थी। चीन ने फरवरी में आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया था कि भारतीय सेना के साथ संघर्ष में पांच चीनी सैन्य अधिकारी और एक जवान मारा गया था, हालांकि व्यापक रूप से यह माना जाता है कि मरने वालों की संख्या अधिक थी। रक्षा मंत्री ने लद्दाख में सीमा सड़क संगठन द्वारा कार्यान्वित 63 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया। सिंह तीन दिवसीय लद्दाख दौरे पर हैं।

सार समाचार

केरल के मुख्यमंत्री से कन्नड़ नामों को नहीं बदलने का अनुरोध करेंगे येदियुरप्पा

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने सोमवार को कहा कि वह केरल के अपने समकक्ष पिनराई विजयन को पत्र लिखकर उसने राज्य की सीमा से लगे केरल केकासरगोड़ जिले में कुछ स्थानों का कन्नड़ नाम बदलकर मलयाली नहीं करने का अनुरोध करेंगे। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि कर्नाटक सीमावर्ती क्षेत्र प्राधिकरण (केबीएडीए) के अध्यक्ष डॉक्टर सी सोमशेखर ने सोमवार को मुख्यमंत्री का ध्यान इस ओर दिलाया। उन्होंने कहा कि केरल सरकार राज्य के कुछ गांवों के कन्नड़नामों को बदलकर मलयाली करने पर विचार कर रही है। विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने इसपर तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मामला अभी उनके संज्ञान में लाया गया है। वह केरल के मुख्यमंत्री का ध्यान इस ओर दिलाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कासरगोड और मंजेश्वर में मलयाली और कन्नड़ लोग सौहार्द के साथ रह रहे हैं, इसलिए कन्नड़ के नामों को मलयालम में बदलना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि वह केरल के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इस प्रक्रिया को तुरंत रोकने का अनुरोध करेंगे। सोमशेखर ने कहा कि हो सकता है कि गांवों के कन्नड़ नाम बदलने का निर्णय स्थानीय स्तर पर लिया गया हो और मुख्यमंत्री विजयन को इसकी जानकारी न हो।

जम्मू कश्मीर : आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का शीर्ष कमांडर नदीम अबरार गिरफ्तार

श्रीनगर। आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का शीर्ष कमांडर नदीम अबरार को सुरक्षा बलों ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। वह जम्मू कश्मीर में सुरक्षा बलों और आम नागरिकों पर हुए अनेक हमलों में शामिल था। कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने ट्वीट किया,'' लश्कर-ए-तैयबा का शीर्ष कमांडर नदीम अबरार गिरफ्तार। वह हत्या के कई मामलों में शामिल था। हमारे लिए बड़ी कामयाबी।'' कुमार ने गिरफ्तारी के संबंध में और जानकारी नहीं दी,लेकिन सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने शहर के बाहरी इलाके पारिमपुरा में एक जांच चौकी पर अबरार और अन्य संदिग्ध को गिरफ्तार किया। सुरक्षा बलों ने उनके पास से एक पिस्तौल और हथगोला बरामद किया पुलिस के अनुसार, अबरार लावेपुरा में इस वर्ष की शुरुआत में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के तीन जवानों की हत्या में शामिल था।

वायु सेना स्टेशन पर हमले के विरोध में जम्मू में पाकिस्तान का झंडा जलाया गया

जम्मू। भारतीय वायु सेना के यहां स्थित स्टेशन पर ड्रोन से किये गए हमले तथा पुलवामा जिले में एक विशेष पुलिस अधिकारी, उनकी पत्नी और बेटी की आतंकवादियों द्वारा की गई हत्या के विरोध में शिवसेना डोगरा फ्रंट (एसएसडीएफ) के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को पाकिस्तानी झंडा जलाया। रविवार को तड़के जम्मू हवाई अड्डे पर स्थित वायु सेना स्टेशन पर दो ड्रोन से बम गिराए गए थे। इस हमले में वायु सेना के दो कर्मी घायल हो गए थे। इसके कुछ घंटे बाद आतंकवादियों ने दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में एक गांव में एक एसपीओ उसकी पत्नी और बेटी की गोली मारकर हत्या कर दी। एसएसडीएफ के दर्जनों कार्यकर्ता, अध्यक्ष अशोक गुप्ता के नेतृत्व में जम्मू के रानी पार्क में एकत्र हुए और पाकिस्तान के झंडे को आग लगा दी तथा आतंकी हमलों के विरोध में नारे लगाए। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने हाथ मेंतिरंगा झंडा लिया था और वे बाद में शांतिपूर्वक चले गए। गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, ऽजम्मू कश्मीर में वायु सेना स्टेशन पर हुए अपने तरह के पहले हमले तथा एसपीओ, उसकी पत्नी और बेटी की हत्या के विरोध में हमने प्रदर्शन का आयोजन किया। हम मांग करते हैं कि ऐसे हमलों के लिए पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया जाए।' पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती का नाम लिए बगैर गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार की घटनाओं से उन लोगों की आंखें खुलनी चाहिए जो पाकिस्तान के साथ बातचीत कर देश को बर्बाद करना चाहते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने तरुण तेजपाल के खिलाफ यौन उत्पीड़न में सुनाया अपना आखिरी फैसला

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने तहलका पत्रिका के संस्थापक तरुण तेजपाल से जुड़े मामले में सुनवाई के लिए समय-सीमा बढ़ाने की याचिका को सोमवार को बंद कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि गोवा की निचली अदालत इस मामले में उन्हें बरी करने का आदेश देकर सुनवाई पूरी कर चुकी है। गोवा के मापुसा की अदालत ने 21 मई को तहलका पत्रिका के पूर्व प्रधान संपादक तेजपाल को यौन उत्पीड़न के मामले में बरी कर दिया। तेजपाल के साथ काम कर चुकीं एक महिला सहयोगी ने नवंबर 2013 में गोवा के पांच सितारा होटल की लिफ्ट में यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था, जब वह वहां एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने गयी थीं। मामले में राज्य ने भी एक अपील दाखिल की है। शीर्ष अदालत ने पिछले साल अक्टूबर में निचली अदालत के न्यायाधीश के आग्रह पर यौन उत्पीड़न मामले में सुनवाई पूरी करने की तारीख 31 मार्च 2021 कर दी थी। गोवा सरकार ने भी शीर्ष अदालत का रुख कर सुनवाई पूरी होने के लिए समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति विनीत सरण और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने मामला बंद करते हुए कहा, ''सुनवाई पूरी हो चुकी है, अब आदेश की जरूरत नहीं है।

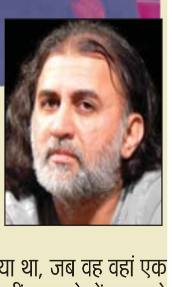

यूपी पंचायत चुनाव नहीं लड़ रही बसपा : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में चल रहे पंचायत चुनाव नहीं लड़ रही है, क्योंकि वे पारदर्शी तरीके से नहीं हो रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने यूपी में जिला पंचायत चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि अगर चुनाव निष्पक्ष होते, तो हम चुनाव लड़ते। चुनाव 3 जुलाई को होंगे और परिणाम उसी दिन घोषित किए जाएंगे। 2022 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए पंचायत चुनाव को सेमीफाइनल माना जा रहा है। मई में हुए पंचायत चुनाव के पहले चरण में बसपा ने खराब प्रदर्शन किया था और तीसरे चरण में भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी से पिछड़ गई थी। मायावती की घोषणा के एक दिन पहले घोषणा की थी कि उनकी पार्टी अगले साल के विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुलमुस्लिमीन के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा।

जम्मू-कश्मीर में चुनाव से पहले क्यों जरूरी है परिसीमन, इससे क्या कुछ बदल जाएगा ?

श्रीनगर। (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर के विषय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 जून को प्रदेश के क्षेत्रीय दलों की बैठक बुलाई थी और इसी के साथ ही जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया की शुरुआत हो गई है। लेकिन जम्मू-कश्मीर में परिसीमन की प्रक्रिया के पूरा होने से पहले ही राजनीतिक दल इसका विरोध कर रहे हैं। ऐसे में हम को बता दें कि प्रदेश में परिसीमन के बाद क्या कुछ बदल जाएगा। नरेंद्र मोदी सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 के प्रावधानों को समाप्त करते प्रदेश से राज्य का दर्ज वापस ले लिया था। जिसके बाद जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेश में बांट दिया गया। जिसके बाद जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश बन गए।

परिसीमन आयोग का हुआ गठन

मोदी सरकार ने परिसीमन अधिनियम 2002 की धारा 3 के तहत निहित शक्तियों से परिसीमन आयोग का गठन किया। जिसकी अध्यक्षता न्यायाधीश रंजना देसाई कर रहे हैं। इस आयोग को जम्मू कश्मीर पुनर्गठन कानून 2019 के प्रावधानों के तहत जम्मू-कश्मीर में लोकसभा और विधानसभा का परिसीमन का जिम्मा सौंपा गया। पुनर्गठन कानून लागू होने से पहले जम्मू कश्मीर की विधानसभा में 111 सीटें थीं, जिसमें से कश्मीर के खाते में 46, जम्मू के खाते में 37 और लद्दाख के खाते में 4 सीटें रहती थीं। इसके अलावा 24 सीटें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में पड़ती हैं। वर्तमान स्थिति में लद्दाख की 4 सीटें समाप्त हो गईं। जिसके बाद जम्मू कश्मीर की सीटें 111 से घटकर 107 रह गईं हैं। माना जा रहा है कि परिसीमन आयोग जुलाई के आखिरी सप्ताह तक अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप सकती है। जिसके बाद विधानसभा चुनाव की तैयारियां की जाएंगी। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने सर्वदलीय बैठक में कहा था कि हमारी प्राथमिकता जम्मू-कश्मीर में जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करना है। परिसीमन तेज गति से होना है ताकि वहां चुनाव हो सकें और जम्मू-कश्मीर को एक निर्वाचित सरकार मिले जो जम्मू-कश्मीर के विकास को मजबूती दे।

7 सीटें बढ़ने की संभावना

जम्मू-कश्मीर में परिसीमन प्रक्रिया के तहत 7 सीटें बढ़ने की संभावना जताई जा रही हैं। कहा जा रहा है कि ये 4 सीटें कश्मीर और 3 सीटें जम्मू के कोटे में जा सकती हैं और अगर ऐसा होता है तो कश्मीर की सीटें 50 और जम्मू की बढ़कर 40 हो जाएंगी। लेकिन परिसीमन आयोग इस तरह की अटकलों को खारिज कर रहा है। दूसरी तरफ यह भी कहा जा रहा है कि बढ़ाई जाने वाली सभी 7 सीटें जम्मू के कोटे में जा सकती हैं। हालांकि कुछ भी स्पष्ट नहीं है।

कब हुआ था परिसीमन ?

आजाद भारत में जम्मू कश्मीर में 1963 और 1973 में विधानसभा सीटों का परिसीमन हुआ था। हालांकि प्रदेश में आखिरी बार 1995 में परिसीमन हुआ था। इतना ही नहीं जम्मू-कश्मीर विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित कर प्रदेश में साल 2026 तक परिसीमन पर रोक लगा दी थी।

वैक्सीन लेने के बाद तीसरी लहर की संभावना कम, आती भी है तो स्थिति साधारण होगी : हेमा मालिनी

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण में कमी के बाद मथुरा के सांसद हेमा मालिनी आज अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचीं। उन्होंने कहा कि मैं देशवासियों को यही कहना चाहती हूं कि सबको कोरोना वैक्सीन लगवाना चाहिए। अगर सभी लगवा लेंगे तो तीसरी लहर आने की संभावना नहीं होगी। लेकिन अगर तीसरी लहर आती भी है तो हमें इतना प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसलिए आप वैक्सीन जरूर लगवाएं। भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि देश में कोरोना वायरस संक्रमण की संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए केंद्र व राज्य सरकार हर संभव उपाय कर रही हैं, लेकिन इसके बचने के लिए लोगों को भी कोविड नियमों का पालन करने की जरूरत है। सांसद ने कहा,'' संक्रमण की तीसरी लहर से निपटने के लिए सरकार पूरी तरह तैयार है, लेकिन हम सभी को भी पूरी तरह सावधान रहना होगा। इसके लिये टीकाकरण सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। लोग बिना किसी भ्रम के टीका लगवाएं।''

ऑक्सीजन विवाद : भाजपा ने केजरीवाल के इस्तीफे की मांग के साथ जंतर मंतर पर धरना दिया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के नेताओं ने सोमवार को यहां जंतर मंतर पर धरना देकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का इस्तीफा मांगा। केजरीवाल पर आरोप है कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर के दौरान शहर की ऑक्सीजन जरूरतों को उनकी सरकार द्वारा 'बढ़ाकर' बताया गया। सांसदों, विधायकों और पार्टी के पदाधिकारियों के साथ विरोध प्रदर्शन की अगुवाई करते हुए दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने यह भी कहा कि केजरीवाल को 'आपराधिक लापरवाही के लिए गिरफ्तार किया जाना चाहिए।'

गुप्ता ने कहा, 'उच्चतम न्यायालय की एक समिति की अंतरिम रिपोर्ट में कहा गया है कि केजरीवाल सरकार ने असल जरूरत से चार गुणा ज्यादा ऑक्सीजन की मांग की जिससे अन्य राज्यों में ऑक्सीजन की कमी हो गई और कोविड मरीजों की मौत हुई। इसके लिए केजरीवाल स्वयं जिम्मेदार है और उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।'

नयी दिल्ली की सांसद मीनाक्षी लेखी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री केजरीवाल ने वायरस की दूसरी लहर से निपटने में अपनी सरकार की 'नाकामी को छिपाने' के लिए ऑक्सीजन की कमी का 'झूठा' मुद्दा बनाया। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा पर 'मनगढंत' रिपोर्ट बनाने और इसके आधार पर दिल्ली सरकार को दोषी ठहराने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

एंटीलिया मामला : प्रदीप शर्मा 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया

मुंबई। (एजेंसी)।

यहां राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की विशेष अदालत ने पूर्व 'मुठभेड़ विशेषज्ञ' पुलिस अधिकारी प्रदीप शर्मा को उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के पास एक वाहन में विस्फोटक मिलने और कारोबारी मनसुख हिरन की हत्या के मामले में सोमवार को 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। शर्मा को एनआईए ने पिछले हफ्ते गिरफ्तार किया था। उन्हें सोमवार को अदालत के सामने पेश किया गया और जांच एजेंसी द्वारा आगे रिमांड नहीं मांगे जाने पर अदालत ने उन्हें 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

मामले में दो अन्य आरोपी, संतोष शेलार और आनंद जाधव, जिन्हें एनआईए ने 11 जून को उपनगरीय मलाड से गिरफ्तार किया था, उन्हें भी 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। केंद्रीय एजेंसी ने इससे पहले पुलिस अधिकारियों-सचिन वाजे,रियाजुद्दीन काजी और सुनील माने को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। एनआईए ने मामले के सिलसिले में पूर्व पुलिस कॉन्स्टेबल विनायक शिंदे और क्रिकेट सटोरिए नरेश गोर को भी गिरफ्तार किया था।

शर्मा पर आरोप है कि उन्होंने मामले में सूबत मिटाने में वाजे की मदद की थी। साथ ही उनपर अपने आदमियों के साथ मिलकर हिरन की हत्या को अंजाम देने की साजिश रचने का भी आरोप है। दक्षिण मुंबई में इस साल 25 फरवरी को अंबानी के घर 'एंटीलिया' के पास विस्फोटकों से भरी एक एसयूवी मिली थी। ठाणे के कारोबारी मनसुख हिरन ने दावा किया था कि गाड़ी उसकी है। उसके बाद वह पांच मार्च को मुंब्रा में एक नाले में मृत मिला था।

योगी पर अखिलेश ने साधा निशाना, कहा- अगले विधानसभा चुनाव में 350 सीट जीतेगी सपा

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियों ने अपने अपने स्तर पर चुनावी तैयारी शुरू कर दी है। इन सबके बीच जिला पंचायत अध्यक्षों के चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर लगातार जारी है। समाजवादी पार्टी लगातार जिला पंचायत अध्यक्षों के चुनाव में भाजपा पर धांधली का आरोप लगा रही है। इन सबके बीच अखिलेश यादव ने एक बयान में आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्ता के दंभ में जिला पंचायत अध्यक्षों के चुनाव में धांधली करने में हद कर दी है। अखिलेश ने दावा किया कि अगले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी 350 सीटें जीतेगी। अखिलेश यादव ने यूपी सरकार पर अलोकतांत्रिक आचरण से संवैधानिक संस्थाओं के लिए भी खतरा पैदा करने का आरोप लगाया। अपने संबोधन में अखिलेश यादव ने कहा कि जिला पंचायत सदस्यों के चुनाव में अपनी हार को जबरन छल कपट से जीत में बदलकर मुख्यमंत्री योगी और भाजपा फौरी तौर पर भले ही अपनी वाहवाही करा लें, मगर अगले साल के शुरू में प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में उन्हें मुंह की खानी पड़ेगी। सपा आगामी चुनाव में विधानसभा की 350 सीट जीतकर आएगी और भाजपा चंद सीटों पर सिमटकर विपक्ष में बैठने को मजबूर होगी।'' उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में जगह-जगह भाजपा नेताओं ने प्रशासन के सहयोग से जनादेश का ''अपहरण'' करते हुए समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों और प्रस्तावकों को बलपूर्वक नामांकन करने से रोका।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि दुःख इस बात का है कि चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने वालों पर अधिकारी अंकुश लगाने के बजाय मूकदर्शक बने रहे। निर्वाचन आयोग भी असहाय बना रहा और राजभवन ने भी मौन धारण कर रखा है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि जनता की अदालत से तिरस्कृत भाजपा ने बलरामपुर में जबरन अपनी जीत दर्ज कराने के लिए समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को नज़रबंद कर नामांकन पत्र छीन लिया और लोकतंत्र का गला घोंटते हुए ललितपुर में भी जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को नामांकन नहीं करने दिया गया। उन्होंने गोरखपुर, झांसी, बस्ती, गाजियाबाद और बरेली समेत कई जिलों में भाजपा नेताओं द्वारा प्रशासन की मदद से सपा के जिला पंचायत अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों को नामांकन करने से जबरन रोकने और जानबूझकर पर्चा खारिज कराने के आरोप भी लगाए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)